सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 287 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 30 जुलाई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में अधिकांश हिस्सों में बरसेंगे बादल, दक्षिण भाग में भारी बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दो दिनों तक बारिश थमने के बाद फिर से मानसून सक्रिय हो गया है। आज मंगलवार से प्रदेश के अधिकांश भागों पर बारिश के आसार हैं। इसके साथ ही एक दो जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। वहीं एक जून से अब तक राज्य में 548.9 मिमी औसत बारिश दर्ज की जा चुकी है। सबसे ज्यादा बीजापुर और कम सरगुजा जिले में बारिश हुई है। प्रदेश के दक्षिण भागों में आज भारी बारिश के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, 30 जुलाई से प्रदेश में बारिश की गतिविधि बढ़ने की संभावना है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की बारिश होगी। वहीं कुछ क्षेत्रों में भारी से अति भारी बारिश के आसार हैं। एक चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण पूर्व मध्य प्रदेश और उसके आसपास स्थित है। मानसून द्रोणिका मध्य समुद्र तल पर बीकानेर, पेंड्रा रोड, कोंटाई और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक 1.5 किमी ऊंचाई पर है। इसके प्रभाव से प्रदेश में बारिश की संभावना है।

स्वास्थ्य विभाग में बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले, कई सीएमओ और डॉक्टर इधर से उधर

रायपुर। राज्य सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले किए हैं। जिसमें कई जिलों के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएमएचओ) और सिविल सर्जनों को इधर से उधर किया गया है। तबादला आदेश लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने जारी किया है। जारी लिस्ट के अनुसार कुल स्वास्थ्य विभाग के कुल 17 अधिकारियों को ट्रांसफर किया गया है, इनमें 11 जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारी और सिविल सर्जनों नाम शामिल हैं। इनके अलावा कुछ चिकित्सा अधिकारी भी शामिल हैं।

हावड़ा-मुंबई मेल डिरेल, ट्रेन के 18 डिब्बे पटरी से उतरे, तीन की मौत और 20 घायल

जमशेदपुर (एजेंसी)। हावड़ा-मुंबई मेल (12810) मंगलवार की सुबह हादसे का शिकार हो गई। झारखंड के जमशेदपुर के पास सरायकेला-खरसावां जिले में यह हादसा हुआ। मंगलवार सुबह लगभग 3.43 बजे मुंबई-हावड़ा मेल (12810) की 18 बोगियां पटरी से उतर गईं। पहले से यहां एक मालगाड़ी डिरेल हो गई थी और मुंबई मेल मेल पटरी पर गिरे मालगाड़ी के डिब्बे से टकराई और डिरेल हो गई। इस हादसे में अब तक 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना के बाद मौके पर रेलवे के अफसर व रेस्क्यू टीम पहुंच गई है। मिली जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना जमशेदपुर से 80 किलोमीटर दूर बड़ाबांस के पास सुबहर 3 बजकर 45 मिनट पर हुई।

पश्चिमी सिंहभूम के काफी बड़ाबांस के पास मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए।

इनमें बी4 डिब्बे में एक यात्री सहित तीन यात्रियों की मौत हो गई। डिरेल होने वाले कोच में कुल 16 यात्री कोच, एक पैंट्री कार तथा एक पावर कार शामिल है। घायलों को बड़ाबांस में चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। उन्हें अब बेहतर इलाज के लिए चक्रधरपुर ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान जारी है। दक्षिण-पूर्वी रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि इस घटनास्थल के करीब ही एक मालगाड़ी भी पटरी से उतर गई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह घटनाएं एक ही समय पर हुईं या अलग-अलग वक्त पर।

इन ट्रेनों को किया गया डायवर्ट

अप ट्रेनें (हावड़ा से)

- 12262 हावड़ा - छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस 30-07-24 को शुरू खड़गपुर - भद्रक - खुर्दा रोड - अंगुल - झारसुगुड़ा रोड - आईबी.
- 12130 हावड़ा - पुणे एक्सप्रेस 29-07-24 को सीनी - केंदुझारगढ़ - पुरुलिया - हटिया - नीमडीह - राउरकेला के रास्ते शुरू होगी।
- 12834 हावड़ा - अहमदाबाद 29-07-24 को चांडिल - पुरुलिया - हटिया - राउरकेला के रास्ते शुरू होगी।
- 18477 पुरी - योग नगरी ऋषिकेश 29-07-24 को टाटानगर - चांडिल - बोकारो स्टील सिटी - गोमो - गया - दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन - चुनार - मुगलसराय - वाराणसी के रास्ते शुरू होगी।
- 13288 आरा-दुर्ग 29-07-24 को आसनसोल-झाझा-बोकारो स्टील सिटी-कोडरमा-मुरी-नीमडीह-राउरकेला के रास्ते शुरू होगी।
- 12860 हावड़ा - छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस 30-07-24 को टाटानगर - चांडिल - पुरुलिया - कोडरमा - नीमडीह - राउरकेला के रास्ते शुरू होगी।
- 12810 हावड़ा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस 30-07-24 को खड़गपुर-मिदनापुर-आद्रा-बोकारो स्टील सिटी-कोडरमा-नीमडीह-राउरकेला से शुरू होगी।

डाउन ट्रेनें (हावड़ा की ओर)

- 18029 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - शालीमार 28-07-24 को राउरकेला - हटिया - पुरुलिया - टाटानगर के रास्ते शुरू होंगी।
- 12859 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - हावड़ा 29-07-24 को राउरकेला - हटिया - पुरुलिया - टाटानगर के रास्ते शुरू होगी।
- 12833 अहमदाबाद - हावड़ा 28-07-24 को राउरकेला - हटिया - पुरुलिया - टाटानगर के रास्ते शुरू होगी।
- 13287 दुर्ग-आरा 30-07-24 को राउरकेला-नीमडीह-मुरी-कोडरमा-बोकारो स्टील सिटी-झाझा-आसनसोल से शुरू होगी।
- 20821 पुणे-संतरागाछी 29-07-24 को नीमडीह-हटिया-मुरी-कोडरमा-बोकारो स्टील सिटी-झाझा-आद्रा-मिदनापुर-खड़गपुर से शुरू होगी।
- 12221 पुणे - हावड़ा 29-07-24 को नीमडीह - हटिया - मुरी - कोडरमा - पुरुलिया - टाटानगर के रास्ते शुरू होगी।
- 18478 योग नगरी ऋषिकेश - पुरी 29-07-24 को आईबी - झारसुगुड़ा रोड - संबलपुर सिटी - कटक के रास्ते शुरू होगी।
- 12767 हजूर साहिब नांदेड़-संतरागाछी 29-07-24 को नीमडीह-कोडरमा-बोकारो स्टील सिटी-झाझा-आद्रा-मिदनापुर-खड़गपुर के रास्ते शुरू होगी।

शॉर्ट टर्मिनेट होने वाली ट्रेनें

- 18110 इतवारी-टाटानगर 30-07-24 को प्रारंभ बिलासपुर में शॉर्ट टर्मिनेट (बिलासपुर-टाटानगर के बीच रद्द)।
- 18109 टाटानगर - इतवारी 30-07-24 को बिलासपुर से शुरू (टाटानगर - बिलासपुर के बीच रद्द)।

रेलवे द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर

टाटानगर : 06572290324, चक्रधरपुर : 06587 238072, राउरकेला: 06612501072, 06612500244, हावड़ा: 9433357920, 03326382217, रांची: 0651-27-87115, एचडब्ल्यूएच हेल्प डेस्क: 033-26382217, 9433357920, एसएचएम हेल्प डेस्क: 6295531471, 7595074427, केजीपी हेल्प डेस्क: 03222-293764, सीएसएमटी हेल्पलाइन ऑटो नंबर 55993, पी एंड टी 022-22694040, मुंबई: 022-22694040 और नागपुर: 7757912790 है।

वायनाड में भूस्खलन से तबाही

36 लोगों की मौत, मलबे में फंसे कई लोग

वायनाड(एजेंसी)। केरल के वायनाड जिले में भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन ने तबाही मचा दी है। मेप्पाडी के पास अलग-अलग पहाड़ी इलाकों में मंगलवार तड़के भूस्खलन हुए हैं। मुंदकई और चूरलमाला शहर में सैकड़ों घर, गाड़ी और दुकानें पानी में डूब गए। इस हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों मलबे में फंसे हुए हैं। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने बताया कि प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए कई दलों को भेजा गया है। हालांकि, भारी बारिश से राहत और बचाव कार्य में काफी दिक्कतें आ रही हैं।

इस पूरे हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कईयों ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं वायनाड के कुछ हिस्सों में हुए भूस्खलन से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायलों के लिए प्रार्थना। पीड़ितों की मदद के लिए बचाव अभियान जारी है। केरल के मुख्यमंत्री पनिरई विजयन से बात की और वहां के हालात को देखते हुए केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। यहां तक कि पीएम मोदी ने भूस्खलन में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का एलान किया है। साथ ही घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और वायनाड से पूर्व सांसद राहुल गांधी ने भी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा, 'मैं वायनाड में मेप्पाडी के पास हुए भारी भूस्खलन से बहुत व्यथित हूं। मैंने केरल के मुख्यमंत्री और वायनाड जिला कलेक्टर से बात की है, जिन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि बचाव अभियान जारी है। मैंने उनसे सभी एजेंसियों के साथ समन्वय सुनिश्चित करने, एक नियंत्रण कक्ष स्थापित करने और राहत प्रयासों के लिए आवश्यक किसी भी सहायता के बारे में हमें सूचित करने का अनुरोध किया है। मैं केंद्रीय मंत्रियों से बात करूंगा और उनसे वायनाड को हर संभव सहायता प्रदान करने का अनुरोध करूंगा। मैं सभी यूडीएफ कार्यकर्ताओं से बचाव और राहत कार्यों में प्रशासन की सहायता करने का आग्रह करता हूं।

संपादकीय

सियासत से आगे

राष्ट्रीय राजधानी के पुराने राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन छात्रों की त्रासद मौत के बाद नगर संस्थाओं और कानून व्यवस्था की एजेंसियों की सक्रियता संतोष की बात है। कोई आश्चर्य नहीं कि हर जिम्मेदार संस्था खुद को बचाने में लग गई है और आरोपियों के खिलाफपूरी कड़ाई भी बरती जा रही है। दिल्ली नगर निगम ने रविवार को शहर के 13 अन्य सिविल सर्विस कोचिंग सेंटरों के बेसमेंट को सील कर दिया है। पीड़ित और आक्रोशित छात्र कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और सरकारी संस्थाओं को बेहिचक सुधार पर ध्यान देना चाहिए। जो भी सेंटर बेसमेंट या भूतल में चल रहे हैं, उनको बंद कराना जरूरी है। इसमें कोई शक नहीं कि कम किराये और अधिकतम फायदे के लिए ऐसे कोचिंग संचालक बेसमेंट को तरजीह देते हैं। मगर क्या बेसमेंट या खासकर प्रतिकूल मौसम में इनमें कक्षाओं का आयोजन बंद नहीं होना चाहिए? क्या जरा भी आशंका नहीं थी कि बेसमेंट में पानी जानलेवा भी हो सकता है? पुलिस ने छह से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया है, पर वास्तव में कार्रवाई उन लोगों पर होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों की सुरक्षा के प्रति लापरवाह थे। पहली नजर में कोचिंग सेंटर ने अक्षम्य लापरवाही का परिचय दिया। जब घटना शाम 6:35 बजे घटी, तब पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को सूचना शाम 7:10 बजे क्यों दी गई? पानी इतना भर गया कि डूबे हुए छात्रों तक पहुंचने के लिए गोताखोरों को बुलाना पड़ा। अगर हम पीछे पलटकर देखेंगे, तो इंतजाम में अनगिनत कमियां नजर आएंगी, मगर अब जरूरत आगे की सुध लेने की है। आज हो क्या रहा है? दोषारोपण का दौर चल रहा है। दिल्ली की व्यवस्था के लिए जिम्मेदार संस्थाएं और नेता एक-दूसरे के सामने आ खड़े हुए हैं, तो सियासी तल्खी भी बढ़ती है। एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे दिल्ली की सुरक्षा के लिए, मिलकर काम करते, तो शायद यह हादसा ही नहीं होता। दिल्ली में भवनों से जुड़े अनापत्ति-प्रमाणपत्र कैसे लिए-दिए जा रहे हैं? जहां पार्किंग और भंडारण की सुविधा होनी चाहिए थी, वहां पुस्तकालय और कक्षाएं कैसे चल रही हैं? इस हादसे के बाद दिल्ली में भवन व्यवस्था में सुधार आए, तो बात बने। आज छात्र सुधारों की मांग कर रहे हैं, पर उनके साथ कौन खड़ा है? देश भर से छात्र पढ़ने के लिए दिल्ली आते हैं, क्योंकि उनको यहां की व्यवस्थाओं पर भरोसा है। वे दिल्ली को अपने गांव-शहर से बेहतर जगह मानते हैं। मगर अब दिल्ली को सोचना चाहिए कि वह देश की उम्मीदों पर कितनी खरी उतर रही है? बेशक, दिल्ली आज सुविधाओं का एक बड़ा केंद्र है, पर अपनी कमियों से हमने उस पर अक्सर दाग लगाया है। कमियों पर सियासत गलत नहीं, लेकिन जब हर तरफ सियासत ही होने लगे, तब जल्दी समाधान की उम्मीदें कमजोर पड़ने लगती हैं। सियासी दल एक-दूसरे के खिलाफप्रदर्शन पर उतर आए हैं। मामला सड़क से संसद तक पहुंच गया है, पर असली मुद्दा यह है कि आज छात्र अपनी सुरक्षा के प्रति कितने आश्वस्त हैं? उन्हें आगे आकर कौन आश्वस्त करेगा? अब समय आ गया है कि शहरों में हम सियासत की ओर बार-बार न देखें, हमारे लिए व्यवस्था का चाक-चौबंद होना सबसे जरूरी है। जो संस्थाएं हैं, उन्हें निर्धारित ढंग से काम करने देना चाहिए। अधिकारियों को सुधार की कमान थमानी चाहिए और युद्ध स्तर पर एक-एक नागरिक की सुरक्षा पुख्ता होनी चाहिए, छात्र और लोग यही चाहते हैं।

> सियासी दल एक-दूसरे के खिलाफप्रदर्शन पर उतर आए हैं। मामला सड़क से संसद तक पहुंचा गया है, पर असली मुद्दा यह है कि आज छात्र अपनी सुरक्षा के प्रति कितने आश्वस्त हैं? उन्हें आगे आकर कौन आश्वस्त करेगा? अब समय आ गया है कि शहरों में हम सियासत की ओर बार-बार न देखें, हमारे लिए व्यवस्था का चाक-चौबंद होना सबसे जरूरी है।

दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया

डॉ. दिलीप चौबे

भारत-चीन संबंधों को लेकर कूटनीतिक जगत में आजकल काफी चर्चा है। गलवान घाटी में हुए घटनाक्रम के बाद पिछले चार वर्षों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य तैनाती जारी रही तथा कूटनीतिक नोकझोंक भी चलती रही। विवाद के कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी हुई लेकिन अन्य मामलों में प्रगति नहीं हुई। बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया है जिससे आशा बंधती है कि द्विपक्षीय संबंध पटरी पर आ सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नई सरकार देश में रोजगार सृजन और उत्पादन गतिविधियां बढ़ाने पर विशेष जोर दे रही है। इसमें चीन की भूमिका हो सकती है। सीमा विवाद के बावजूद चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी संकेत दिया है कि भारत चीन से निवेश का इच्छुक है। इसे सरकार की नीति में बदलाव कहा जा सकता है। वह घरेलू और विदेशी मोर्चे पर नई परिस्थितियों का तकाजा भी हो सकता है।

रूस की ओर से भारत चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार कोशिश होती रही हैं। रूस के विदेश मंत्री सग्रेई लावरोव राजनीति त्रिगुट (रूस-भारत-चीन) को सक्रिय बनाने की कोशिश करते रहे हैं। रूस-भारत-चीन (रिक) प्रक्रिया के तहत तीनों देश पूर्व में विचार-विमर्श करते रहे। गलवान घटनाक्रम के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई थी। अब इसे पुनर्जीवित करने की कोशिश हो रही है। रूस तो यह भी चाहता है कि आगामी महीनों में वहां आयोजित होने वाली ब्रिक्स शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता आयोजित हो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में अपनी लाओस यात्रा के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से विचार-विमर्श किया था। संभव है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी के बीच शिखर वार्ता आयोजित करने पर चर्चा हुई हो। बहुत संभव है कि शिखर वार्ता के लिए आवश्यक माहौल बनाने के सिलसिले में दोनों देश सीमाओं से सैनिक पीछे हटाने का फैसला कर लें। यदि ऐसा होता है तो शिखर वार्ता के पक्ष में जनमत अनुकूल रहेगा।

विदेश मंत्री जयशंकर यात्रा के अगले चरण में जापान में क्वाड विदेश मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। क्वाड की ऐसी बैठक काफी समय बाद हो रही है। कारण स्पष्ट है। अमेरिका और क्वाड के अन्य सदस्यगण यह जानते हैं कि चीन के साथ संघर्ष की स्थिति में भारत इसमें भागीदार नहीं बनेगा। विकल्प के रूप में अमेरिका ने ऑक्स (आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका) के रूप में नया गुट तैयार किया है। इसी के साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया और फिलिपींस के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाया जा रहा है। जापान के प्रधानमंत्री फुजियो किशिदा तो एशिया में सैन्य संगठन नाटो जैसी सुरक्षा व्यवस्था कायम किए जाने के हिमायती हैं। कुछ दिन पहले रूस और चीन के बमवर्षक युद्ध विमानों ने अमेरिका के अलास्का प्रांत के पास उड़ान भरी। इन पर निगरानी रखने के लिए अमेरिका और कनाडा के युद्धक विमानों ने भी उड़ान भरी। यह घटनाक्रम अमेरिका के खिलाफ रूस और चीन की सैन्य लामबंदी का द्योतक है। हाल में रूस ने उत्तर कोरिया के साथ सैन्य समझौता किया है जो दक्षिण कोरिया और जापान के लिए सीधी चुनौती है।

एशिया में बदलते हुए इस परिदृश्य ने भारत की विदेश नीति के सामने बड़ी चुनौती है। भारत और अमेरिका के संबंधों के बीच खटास आने से इसमें एक नया आयाम जुड़ गया है। यह विडंबना है कि ऐसा उस समय हो रहा है जब अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दावेदारी में भारतीय मूल की कमला हैरिस अग्रणी हैं। अमेरिका के राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में भारतीय मूल के लोगों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। यह द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक बनाए रखने के लिए सहायक सिद्ध होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

ऑनलाइन स्टडी के चलते घबराहट और तनाव के शिकार होते बच्चे

देखा जाए तो कोरोना के बाद से बच्चों में डिप्रेशन और एंजाइटी का रोग तेजी से बढ़ता जा रहा है। कोरोना की दहशत के हालात, लॉकडाउन, वर्कफ्राम होम और बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई के साइड इफेक्ट सामने आने लगे हैं।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

ऑनलाइन स्टडी के चलते बच्चों मोबाइल के अधिकांश इस तरह के ऐप्स से रु-ब-रु होने लगे जो बालपन को कहीं ना कहीं सीधे सीधे प्रभावित करने लगा। एक और जहां चाहे-अनचाहे आनलाइन गेमों की बच्चों में लत लगी वहीं सोशियल मीडिया साइट्स भी बच्चों में लत के रुप में लगने के साथ ही बच्चों के दिलों दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव डालने में सफल रही है। देखा जाए तो खेल खेल में बच्चे ना चाहते हुए भी तनाव और एंजाइटी के दौर में प्रवेश कर गए हैं। बदलती जीवनशैली और सामाजिक आर्थिक सिनेरियों में सर्दी जुकाम की तरह एंजायटी यानी कि घबराहट और डिप्रेशन यानी कि अवसाद आज के बच्चों में आम होता जा रहा है। जानी मानी साइक्रेटिर्क मैगजीन जामा साइक्रेट्री में हालिया प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मनोवैज्ञानिकों ने अध्ययन के दौरान 11 से 15 साल के बच्चों के बीच अध्ययन किया और खासतौर से यह समझने की कोशिश की गई कि जिस तरह से सर्दी जुकाम संक्रामक बीमारी है और एक से दूसरे में फैल जाती है उसी तरह से एंजायटी या डिप्रेशन भी एक बच्चे से दूसरे बच्चे को प्रभावित कर सकता है? क्या? अध्ययन में पाया गया कि घबराहट या एंजाइट प्रभावित बच्चों के लक्षण साथ वाले बच्चों में भी विकसित होने के देखे गए हैं। यह अध्ययन भी एक दो नहीं बल्कि सात लाख बच्चों में किया गया है। चिंता की बात यह है कि सर्दी जुकाम संक्रामक रहा है व संपर्क में आने वालों को गिरफ्त में लेने की प्रबल संभावनाएं रहती है, लगभग यही हालात एंजाइटी और डिप्रेशन को लेकर देखी जाने लगी है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि फिनलैंड विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के अध्ययन में यह साफ हुआ है कि छह में से एक व्यक्ति बैचेनी यानी कि एंजायटी से प्रभावित रहने लगा है। कोरोना के बाद इस तरह के मरीजों की संख्या में 60 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

यदि अध्ययन कर्ताओं की मानें तो कोविड 19 अर्थात् कोरोना के बाद हालात तेजी से विकट हुए हैं। खासतौर से पैसों वालों व बुजुर्गों की बीमारी से बच्चे प्रभावित होने लगे हैं। बैचेनी, घबराहट, हाथों में कंपन, नींद ना आना, चिड़चिडापन, तनावग्रस्त, कुंठा आदि लक्षण दिखने लगते हैं। इससे बच्चों में नकारात्मकता भी आती जा रही है। अधिक चिंता की बात यह है कि यह बीमारी बच्चों में संक्रामक रोग की तरह फैलती जा रही है। कोराना के लॉकडाउन के साथ ही पेरेंट्स की अंधी प्रतिस्पर्धा और अधिक से अधिक पाने की लालसा, बच्चों के बीच परस्पर सहयोग, समन्वय, मित्रता, सहभागिता के स्थान पर संवेदनहीनता और गलाकाट प्रतिस्पर्धा के परिणाम सामने आने लगे हैं। बच्चों में कुंठा तो आम होती जा रही है। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने पूरी कर दी है। सोशियल मीडिया जो परस्पर संवाद का माध्यम बन सकता है वह तनाव का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। लाइक अनलाइक और कमेंट्स बालमन को नकारात्मक रुप से प्रभावित करता जा रहा है। ऑनलाइन अध्ययन के चलते बच्चों में मोबाइल का शोक लग गया है और उसका नकारात्मक असर वीडियो गेम्स के रुप में देखा जा सकता है जो बच्चों को गेम के चक्कर में डिप्रेशन में जाते हुए देखा जा सकता है। गेम्स बच्चों में तनाव का कारण बनते जा रहे हैं। ओटीटी प्लेटफार्म भी अपना असर दिखाता जा रहा है। रील्स का तो कहना ही क्या? लगता है बच्चों के बालमन को नकारात्मक रुप से प्रभावित करने वाले सभी कारक सामने आते जा रहे हैं। शिक्षण संस्था हो या परिवार खासतौर से एकल परिवार के हालात हालात और भी गंभीर करते जा रहे हैं। हालात यहां तक होते जा रहे हैं कि बच्चे आक्रामक होते जा रहे हैं। बात बात पर झगड़ना या इस तरह का रिएक्शन की सामने वाला कोई भी हो लिहाज तो कहीं देखने को ही नहीं दिखता। मानों बालपन तो कहीं दिखाई नहीं देने लगा है।

समाज विज्ञानियों के सामने यह गंभीर समस्या दस्तक दे रही है। हालात बद से बदतर हो उससे पहले ही समस्या की गंभीरता को समझना होगा। दादा-दादी और नाना-नानी कहीं पीछे छूट रहे हैं, पेरेंट्स अवकाश भी परिवार के साथ बिताने के स्थान पर कहीं घूमने जाना पसंद करने लगे हैं जिससे परिवार और परिवार से मिलने वाले संस्कार खोते जा रहे हैं। एकल परिवार और एक ही बच्चे के कारण कई पारिवारिक संबंध तो इतिहास की बात बन जाएं तो कोई असंभाव्यता नहीं होगी। हालात दिन प्रतिदिन बदतर होते जा रहे हैं और इसके परिणाम आए दिन सामने आते जा रहे हैं। अत्यधिक तनाव के कारण बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाते देखा जा रहा है। वहीं बदले की भावना, बात बात में गुस्सैल होना, तुनक मिजाजी आदि तो बस पूछो ही मत। अत्यधिक महत्वाकांक्षा भी तनाव का कारण बनती जा रही है। फिर दूसरे के बच्चों की उन्नति से अपने बच्चे को प्रेरित करने के स्थान पर इस तरह का रिएक्शन देना कि बच्चा प्रोत्साहित होने के स्थान पर निरुत्साहित होने लगे हैं। ऐसे में समाज विज्ञानियों और मनोविज्ञानियों के सामने अधिक चुनौती पूर्ण समय आ गया है। समय रहते इसका समाधान खोजना ही होगा नहीं तो दुनिया के देशों में जिस तरह से बच्चों को छोटी उम्र में ही हिंसक होते देखा जा रहा है उसमें कमी होने के स्थान पर गंभीरता पूर्वक हालात बदतर ही होंगे। इसका समाधान खोजना होगा नहीं तो आने वाली पीढ़ी किसी भी हालत में हमें माफनहीं करेगी।

दरअसल यह समस्या इसलिए और अधिक गंभीर हो जाती है कि संक्रामक रोग की तरह इसके असर देखे जा रहे हैं। कहते हैं ना कि संगत का असर पड़ता है तो यह सीधे सीधे साथ वाले बच्चों को प्रभावित करने लगा है। लाख प्रयासों के बावजूद बच्चों का बालसुलभ मन कहीं खोता जा रहा है। यह समाज के लिए बड़ी चुनौती है और इसका समाधान घर से ही खोजना होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

नशे के विरुद्ध जन-अभियान

भारत डोगरा

हाल के समय में सामाजिक समस्याओं में वृद्धि का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि विभिन्न तरह के नशों में वृद्धि हो रही है। शराब और गुटखे में वृद्धि बहुत तेजी से हुई है। अनेक तरह के ड्रग्स का चलन भी तेजी से बढ़ा है। विभिन्न तरह के नशे क्यों बढ़े हैं, इस पर अनेक तरह के विचार मिलते हैं पर एक महत्वपूर्ण बात यह है कि शराब के विरुद्ध जो एक बड़ा माहौल हमारे समाज में था, इसमें बहुत गिरावट आई है। चाहे शराब का उपयोग कितने भी समय से हो रहा हो, पर कुछ दशक पहले तक इसे बहुत बुरा माना जाता था और नैतिक स्तर पर यह मान्यता बहुत मजबूत थी। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी इस नैतिक सोच को प्राप्त किया जाता था। पर धीरे-धीरे शराब के विरुद्ध इस सामाजिक मान्यता में कमी आने लगी और फिर बाद में तो यह प्रवृत्ति बहुत तेज हो गई। यह केवल समाज और अर्थव्यवस्था में आ रहे बदलावों के कारण नहीं हुआ अपितु योजनाबद्ध ढंग से भी इस माहौल को बदला गया।

एक मिथक जो दुनिया भर में फैलाई गई कि कम मात्रा में शराब पीने से नुकसान नहीं है, जबकि वैज्ञानिकों का स्पष्ट मत है कि कम मात्रा में शराब पीने से भी कुछ हानि अवश्य होती है। फिर एक मिथक यह फैलाई गई कि वाईन या रेड वाईन से क्षति नहीं होती है। इस मिथक के फैलने से कितने ही लोगों ने नियमित रेड वाईन पीना आरंभ कर दिया जबकि बाद में स्पष्ट हो गया कि इस कारण उन्होंने अनेक गंभीर समस्याओं को आमंत्रित किया है। इसी तरह कभी सिगरेट तो कभी बीड़ी, सभी तंबाकू के विभिन्न रूपों तथा सभी गुटखे के दुष्परिणामों को कम करके बताया गया। एक अन्य मिथक फैलाया गया कि शराब की लत लग जाने पर इसे छोड़ना लगभग असंभव है जबकि आंकड़े बताते हैं कि प्रति वर्ष लाखों लोग मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर भी शराब छोड़ते हैं। यदि समाज में एक निरंतरता से अभियान नशे के विरुद्ध चलाया जाए तो यह संभावना और बढ़ जाएगी।

तरह-तरह के नशे करोड़ों लोगों का जीवन क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। सभी तरह के नशे के विरुद्ध समग्र अभियान की जरूरत है। वैसे तो सभी तरह के नशे बुरे हैं, पर सब से अधिक बरबादी शराब से हो रही है। इस बारे में विश्व स्तर के आंकड़े डराने वाले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की शराब और स्वास्थ्य स्टेटस रिपोर्ट (2018) के अनुसार विश्व में 2016 में शराब से 30 लाख मौतें हुई। 2016 में शराब के कारण हुई मौतों में से 28.7 प्रतिशत चोटों के कारण हुई, 21.3 प्रतिशत पाचन रोगों के कारण हुई, 19 प्रतिशत हृदय रोगों के कारण हुई, 12.9 प्रतिशत संक्रामक रोगों से हुई और 12.6 प्रतिशत कैंसर से हुई। 20 से 29 आयु वर्ग में होने वाली मौतों में से 13.5 प्रतिशत शराब के कारण होती हैं।

सड़क दुर्घटनाओं में शराब के कारण 2016 में 3700 मौतें हुई। इनमें से 187000 ऐसे व्यक्ति थे जो स्वयं गाड़ी नहीं चला रहे थे। शराब के कारण इस वर्ष 1500 आत्महत्याएं हुई और 900 मौतें आपसी हिंसा में हुई। कम समय में अधिक पी लेने से कोमा में आने और मृत्यु तक का परिणाम हो सकता है। इस रिपोर्ट ने यह भी बताया है कि 200 तरह की बीमारियों और चोटों में शराब का हानिकारक उपयोग एक बड़ा कारण है। लिवर सिरहोसिस और अनेक तरह के कैंसर में शराब महत्वपूर्ण कारण है। पहले अधिक शराब पीने को ही मस्तिष्क की क्षति, याद रखने की क्षमता पर प्रतिकूल असर और डिमेन्शिया से जोड़ा जाता था पर अब ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के नये अनुसंधान (ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित) से पता चलता है कि अपेक्षाकृत कम शराब पीने से भी मस्तिष्क की ऐसी क्षति होती है।

यह तो सब जानते हैं कि शराब स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है, पर शराब उद्योग यह मिथक फैलाने के लिए प्रयासरत रहा है कि थोड़ी सी शराब पीने से नुकसान नहीं होता। यह केवल मिथक ही है। सच्चाई हाल के अध्ययन में सामने आई है जो प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'द लांसेट' में प्रकाशित हुआ। लगभग 500 विशेषज्ञों के समूह के मुख्य लेखक मैक्स ग्रिसवोल्ड ने इस अध्ययन के निष्कर्ष के बारे में बताया है, एल्कोहल की कोई ऐसी सुरक्षित मात्रा नहीं है (न्यूनतम मात्रा से भी नुकसान होता है)।

आगे जैसे-जैसे एल्कोहल का प्रति दिन का उपयोग बढ़ता जाता है, वैसे-वैसे स्वास्थ्य के खतरे भी बढ़ते जाते हैं। नशीली दवाओं, एल्कोहल और एडिक्टिव बिहेवियर के विकोष के अनुसार मौत होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में से 44 प्रतिशत में एल्कोहल की भूमिका पाई गई है। दुर्घटना में मरने वाले 50 प्रतिशत तक मोटरसाइकिल चालकों के शराब के नशे में होने की संभावना पाई गई है। इस विकोष के अनुसार घर में होने वाली दुर्घटनाओं में 23 से 30 प्रतिशत में एल्कोहल की भूमिका होती है। आग लगने और जलने से मौत होने की 46 प्रतिशत दुर्घटनाओं में एल्कोहल की भूमिका होती है। यदि शराब न पिए हुए व्यक्ति से तुलना करें तो शराब पीने के बाद किसी व्यक्ति में आत्महत्या का खतरा सात गुणा बढ़ जाता है और अधिक मात्रा में शराब पीने के बाद यह खतरा 37 गुणा बढ़ जाता है (बोर्ज का अध्ययन, 2017)। एल्कोहल उपयोग डिसआर्डर के कारण अवसाद की संभावना कम से कम दोगुना बढ़ जाती है। कुछ वर्ष पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक रिपोर्ट तैयार करवाई थी जिसे हिंसा और स्वास्थ्य पर विश्व रिपोर्ट का शीर्षक दिया गया था।

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि डिप्रेशन या अवसाद के लिए भी एल्कोहल एक महत्वपूर्ण कारक है। रिपोर्ट के अनुसार एल्कोहल और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की आत्महत्या में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। अमेरिका में चार में से कम से कम एक आत्महत्या में एल्कोहल की भूमिका रिपोर्ट की गई है। विभिन्न देशों में होने वाले अध्ययनों में यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है कि 50 प्रतिशत से अधिक यौन हिंसा और हमलों में शराब और नशीली दवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

विशेषकर युवाओं की हिंसा के संदर्भ में रिपोर्ट ने कहा है कि हिंसा होने में या उसकी संभावना बढ़ाने में शराब की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवा हिंसा पर स्वीडन के एक अध्ययन ने बताया कि हिंसा करने वाले लगभग 75 प्रतिशत व्यक्ति और हिंसा की मार सहने वाले लगभग 50 प्रतिशत व्यक्ति हिंसा की घटनाओं के समय नशे में पाए गए। रिपोर्ट ने कहा है कि किसी समुदाय में अपराध और हिंसा कम करने की रणनीति में शराब की उपलब्धि कम करने की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। अनेक क्षेत्रों का अनुभव रहा है कि शराब के नशे के विरुद्ध जन-अभियान चलाने से इसके उपभोग में उल्लेखनीय कमी लाना निश्चित तौर पर संभव है। यह ऐसा क्षेत्र है जो सरकारों और जन-संगठनों विशेषकर महिलाओं और युवा संगठनों के सहयोग से सार्थक परिणाम प्राप्त कर सकता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

डिजिटल एडिक्शन की लत घातक

> देश के प्रत्येक नागरिक को मुफ्त इंटरनेट का अधिकार देने वाले निजी विधेयक पर विचार की मंज़ूरी सरकार ने दी है। पिछड़े व दूरदराज के क्षेत्रों के वासियों तक इंटरनेट सुविधाओं के लिए किसी प्रकार के शुल्क या खर्च का भुगतान नहीं करना होगा।

राज्य सभा में यह विधेयक पहले ही पेश किया जा चुका है। दूरसंचार मंत्री के अनुसार राष्ट्पति ने विधेयक पर विचार करने की सिफारिश की है। देश के पिछड़े व दूर-दराज के रहवासियों को समान रूप से इंटरनेट सुविधा प्रदान करने के यह विशेष उपाय सरकार करेगी। डिजिटल विभाजन को पाटना आवश्यक है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी नागरिकों का मौलिक अधिकार है। इसलिए, उन्हें इंटरनेट का प्रयोग करने की सुविधा होना सकारात्मक सोच है।

फोर्ब्स के अनुसार भारत में 2024 के शुरुआती दिनों में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले पूरी आबादी का 52 फीसद से अधिक हो चुके हैं। 36 फीसद ग्रामीण डिजिटल पेमेंट का प्रयोग कर रहे हैं। जो तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। बिजली कटौती में आ रही कमी और नौजवानों की बढ़ती आबादी भी इसकी बुनियाद में है। तकनीक ने रोजमर्रा के जीवन में अपनी अहमियत तेजी से बढ़ाई है। शिक्षितों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है, जिसके चलते लोग स्मार्ट फोन, कंप्यूटर व अन्य डिवाइसों का इस्तेमाल करना सीख रहे हैं।

मुफ्त इंटरनेट देने का सरकार फैसला सकारात्मक कहा जा सकता है। मगर यह ख्याल भी रखना जरूरी है कि जनता नेट में खोज क्या रही है? आम भारतीय इंटरनेट का इस्तेमाल पढ़ाई, जानकारी या सूचनाओं को एकत्र करने की अपेक्षा मनोरंजन, सेक्सुअल कंटेंट व अनावश्यक चीजों के लिए अधिक करता है।

गूगल द्वारा प्रयोगकर्ताओं की सालाना की गई खोजों की सूची में भारतीय वर्षों से पोर्न क्लिप की खोज में अव्वल आते हैं। मुफ्त इंटरनेट का प्रयोग यदि इसी तरह किया जाता रहा तो समाज में व्यभिचार बढ़ने की आशंका हो सकती है। इसमें खास तरह का फिल्टर लगाना भी उचित नहीं कहा जा सकता। निस्संदेह ये सेवाएं सरकार किसी निजी संचार सेवा से लेगी, जिसका भुगतान करने में मोटी राशि खर्च की जाएगी। अच्छा विचार होने के बावजूद इंटरनेट मुफ्त देने से डिजिटल एडिक्शन की लत घातक हो सकती है। हां, इसे कुछ अवधि के लिए, मुफ्त किया जाना चाहिए था।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

अग्निपथ योजना सेना में सुधार का प्रयास है...

सुनिल दास

देश व राज्य के कुछ मामले राजनीति से परे होते हैं,कम से कम उस पर तो राजनीति नहीं करनी चाहिए। देश की सुरक्षा, सेना में सुधार, सेना को मजबूत करने का प्रयास कोई भी सरकार कर रही है विपक्ष को उसमें खुले मन से सहयोग करना चाहिए क्योंकि सेना किसी दल की नहीं होती है, वह देश की होती है।वह मजबूत होगी तो देश की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।देश में पहली बार विपक्ष सेना के सुधार के मामले में राजनीति कर रहा है ताकि कोई सुधार का काम मोदी सरकार कर रही है तो उसे हर कीमत पर गलत कहना है और देश के लोगों तथा युवाओं को गुमराह करना है।

सरकार की तरफ से कई बार कहा जा चुका है तथा कारगिल विजय दिवस पर पीएम मोदी ने फिर एक बार कहा है कि अग्निपथ योजना का मकसद देश की सेनाओं को युवा व हरदम युद्ध के लिए तैयार रखना है।उन्होंने इस योजना का विरोध करनेवाले को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि अग्निपथ योजना व एयरफोर्स मे फाइटर विमान का विरोध करने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने रक्षा सौदे मे हजारों करोड़ के घोटाले कर सेना को कमजोर बनाए रखा है।अतीत में हमेशा सेना में सुधार के नजरअंदाज किया है।उनका कहना है कि अग्निपथ योजना रक्षा के क्षेत्र में बरसों बाद किया जा रहा अहम सुधार कार्य है। इससे सेना की औसत आयु कम होगी तथा हमेशा युध्द के लिए तैयार रहेगी और दुश्मन को ठीक समय पर मुंहतोड़ जवाब दे सकेगी।

सेना का मतलब होता है कि जब भी दुश्मन देशों से युध्द हो तो उसका मुकाबला ठीक से किया जा सके और उसे हराया भी जा सके। सेना तो जीतने वाली होनी चाहिए।सेना अतीत में जब भी भारत पर हमला हुआ है तो सेना युध्द के लिए, तैयार नहीं थी,इसलिए भारत को नुकसान हुआ है। माना जाता है कि सेना हमेशा युध्द के लिए तैयार रहे तो वह युध्द जीतती है और उसे किसी तरह का नुकसान नहीं होता है। कहा जाता है कि कारगिल युध्द के बाद से ही सेना महसूस कर रही थी कि सेना की औसत आयु कम करने की जरूरत है यानी सेना में ज्यादा युवाओं की जरूरत है।

कारगिल युध्द के बाद जितनी सरकारें हुई उनमें से शायद की किसी सरकार ने सेना में सुधार की जरुरत को समझा और सुधार किया।सेना की मजबूती के लिए विश्वस्तर पर जो सुधार सभी देशों में होते है, देश की सेना की मजबूती के लिए भी सुधार समय समय पर होते रहने चाहिए। जो सुधार कार्य कई सरकारों ने नहीं किया वह काम मोदी सरकार कर रही है तो उसकी सराहना होनी चाहिए तो विरोध हो रहा है। विरोध करने वाले भी गजब के हैं। वह अग्निपथ योजना को देश के युवाओं के सामने नौकरी देने वाली योजना के रूप में पेश कर रहे हैं। कांग्रेस सहित विपक्ष देश के युवाओं को यह बता रहे हैं कि इससे तुमको क्या नुकसान होगा। मोदी सरकार बता रही है कि इससे देश की सेना को क्या फायदा होगा।

अग्निपथ योजना में साल में दो बार सेना में भर्ती की जाती है।उनको चार साल प्रशिक्षण दिया जाता है।उसके बाद उनको रैंटिंग दी जाती है।इसमें मेरिट में आने वाले 25 प्रतिशत जवानों को सेना में लिया जाता है। बाकी की सेवाएं खत्म कर दी जाती हैं।इसी आधार पर राहुल गांधी कहते हैं कि यह योजना यूज एंड थ्रो है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे कहते हैं कि इस योजना के तहत अग्निवीरों को कुछ नहीं मिलता है,न तो उनको जवानों की तरह पेंशन मिलती है,ने ग्रेच्युटी, न पारिवारिक पेंशन,न उदारीकृत पारिवारिक पेंशन,न ही उनके बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता दिया जाता है।कांग्रेस का कहना है कि इस योजना को बंद कर दिया जाना चाहिए।

कांग्रेस और विपक्ष मोदी सरकार की तरह देश व जनता के हित में कोई अच्छी योजना बना नहीं पाते हैं तो वह पीएम मोदी जो योजना जनता व देशहित में लाते हैं, उसका विरोध करने लगते हैं। उसमें मीनमेख निकालने लगते हैं। उसे देश व जनता के लिए नुकसानदेह बताते हैं। मोदी सरकार ने किसानों के लिए कानून बनाकर कृषि क्षेत्र में सुधार का प्रयास किया था तो कांग्रेस सहित विपक्ष ने उसका भी विरोध किया था। उसे वापस लेने की मांग को लेकर कुछ राज्यों के किसानों को भड़का कर आंदोलन करने प्रेरित किया था। किसानों के आंदोलन के कारण बाद में सरकार को कृषि कानूनों को वापस ले लिया था। अब कांग्रेस चौतरफा दबाव बनाकर अग्निपथ योजना को बंद कराना चाहती है। सरकार इस योजना को वापस लेती है तो यह कांग्रेस की एक और जीत होगी। साथ ही कांग्रेस यह साबित करने में भी सफल हो जाएगी कि मोदी सरकार कमजोर सरकार है।

इस बार सरकार कदम पीछे खींचने के लिए तैयार नहीं है। इसलिए जिन अग्निवीरों को सेना में नहीं लिया जाएगा। सेना से लौटने के बाद उनके लिए रोजगार की व्यवस्था की जा रही है। पांच राज्य सरकारों यूपी, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़,गुजरात व ओडिशा की सरकारों ने घोषणा की है उसके यहां पुलिस,अर्धसैनिक बल,वन विभाग,जेल प्रहरी आदि की नौकरी में उनको आरक्षण दिया जाएगा। यानी भाजपा सरकारों ने अग्निवीरों की यह चिंता दूर कर दी है कि चार साल वह घर वापस आएंगे तो वह क्या करेंगे। ऐसा करके भाजपा सरकारों ने राहुल गांधी व कांग्रेस के हाथ से एक और मुददा छीन लिया है। यानी भाजपा सरकार अग्निवीरों को प्रशिक्षण देकर सेना में नौकरी का मौका देगी और वहां मौका न मिलने पर दूसरे विभागों में मौका दिया जाएगा। इस तरह भाजपा ने कांग्रेस के एक और मुद्दे को राजनीतिक रूप से निष्प्रभावी कर दिया है। इससे अब कांग्रेस के झूठ के कारण जो राजनीतिक नुकसान होता अब नहीं होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Industrial Training Institute
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

सावन के दूसरे सोमवार को शिवमय हुई ट्विनसिटी

शिव महापुराण सुनने भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

शिवमहापुराण कथा का पांचवा दिन : सीएम विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी लगातार चौथे दिन कथा में हुई शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के जयंती स्टेडियम मैदान में आयोजित शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन सावन के दूसरे सोमवार होने की वजह से विशाल संख्या में शिव भक्त पंडाल में एकत्रित हुए। कथा के चौथे दिन रविवार को छुट्टी होने की वजह से जितने भक्त पंडाल के अंदर थे उतने ही वक्त पंडाल के बाहर थे और आज सोमवार को भी कुछ ऐसा ही नजारा देखें को मिला, मौसम भी खुला होने के कारण हजारों-लाखों की संख्या में लोग शिव महापुराण श्रवण करने पहुंचे। कथा स्थल में ष्टरूविष्णु देव साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय लगातर चौथे दिन शिवमहापुराण श्रवण करने भिलाई पहुंची। क्च्छ्क प्रदेश कोषाध्यक्ष नंदन जैन, दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव, देवेंद्र यादव की माता समेत कई लोह कथा में शामिल हुए।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा लोग मुझसे पूछते है कि, आप इतना खुश कैसे रहते हो? लोग आपको बुरा भला बोलते है, पंडित मिश्रा ने कहा कि, मैं इसलिए इतना खुश रहता हूं क्योकि जो मंदिर बंद पड़े थे, जिन मंदिरों में जाले लग रहे थे वो आज खुल गए है। पंडित प्रदीप मिश्र ने कहा जो भगवान की भक्ति करते है सनातन धर्म को मानते है जो रोज शिवकथा में जाते है उन्हें कई लोग बदनाम करते है। इसपर उन्होंने कहा- जो है नाम वाला, वही तो बदनाम है। पंडित प्रदीप मिश्रा ने पंडाल में मौजूद बालक और बालिकाओं से कहा कि, मेहनत करना बिल्कुल नहीं रोकना है, फर्क नहीं पड़ता आप कितने बार विफल हो रहे हो। आपको अपनी मेहनत निरंतर रूप से करनी है, मैं दावे से कह रहा हूं आने वाले समय में जब छत्तीसगढ़ में कथा होगी मेरे पास आपके जॉइनिंग लीटर के साथ पत्री होगी। उन्होंने कहा जैसे घोड़े के आंखों के दोनों साइड में पट्टी लगाया जाता है, ताकि वो इधर उधर न देखें और उसका ध्यान नहीं भटके, उसी तरह आपको भी सिर्फ अपनी मंजिल को देखना है अगल-बगल अपना ध्यान नहीं भटकने देना है।

भगवान नहीं, उनके दास के दास के दास बनने का प्रयास करो

ब्राह्मण बोले तुम शिव को कोस नहीं रहे? राजा हर्षवर्धन ने जवाब दिया, नहीं बाबा उन्होंने मुझे जीवन दिया, मैंने दान किया हैना मेरा शिव मुझे खाली नहीं रख सकता ये मुझे विश्वास है, उसकी बहन जयश्री ने कहा चल तेरा सब कुछ राज्य भी भी चला गया, अब चल मेरे घर, राजा हर्षवर्धन ने कहा मैं चले तो जाऊंगा पर मेरा शंकर मेरे नगर में अकेला बैठा होगा। मुझे वहां जाना होगा। राजा हर्षवर्धन ने कहा मैं अपनी धन दौलत के लिए वापस नहीं जाऊंगा, अपने महादेव के लिए जाऊंगा। जैसे राजा हर्षवर्धन अपने नगर गए, भगवान शंकर ने ब्राह्मण के रूप में राजा हर्षवर्धन को दान किया हुए धन जेवर से हजार गुना ज्यादा लौटा दिया। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि, शिव महापुराण की कथा कहती है, भगवान बनने का प्रयास मत करो, भगवान का कोई दास हो उस दास का भी कोई दास हो उसके दास बनने की कोशिश करो। भगवान जब परीक्षा लेता है तो उससे ज्यादा आपको फल देता है।

इंसान की आखिरी मंजिल शमशान- पंडित प्रदीप मिश्रा

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि, जब कोई मरता है तो हम अर्थी ले कर शमशान घात जाते है, शव को मंजिल तक ले जाते है, पर असल में हम शव को मंजिल तक नहीं, शव आपको आखिरी मंजिल दिखा रहा है। उन्होंने कागज के बारे में बताते हुए हुए कहा कि शिव महापुराण भागवत, गीता और रामायण सब कागज में लिखी गई है, न्यूज मैगजीन ऑफिस का काम भी कागज में होता है पर दोनों कागज में क्या फर्क है? बाकी कागजों में संसार की चीजें लिखी गई है और पुराण में परमात्मा की बातें लिखी गई है। परमात्मा के बारें में लिखी हुई चीजें संजोग करके रखा जाता है। शिव महापुराण की कथा कहती है जैसे कागज एक है पर उसमें अंकित क्या है यह अलग है, इसी तरह संसार में यह फर्क नहीं पड़ता कि आप ब्राह्मण हो या क्षत्रिय हो, गरीब हो या अमीर हो। जब माता की गर्भ से तुम पैदा हुए तो तुमको नहीं पता था कि तुम चल पाओगे कि नहीं, सुन पाओगे कि नहीं, बोल पाओगे कि नहीं। इसलिए हमें हमारी जिंदगी में क्या अंकित करना है, ये हमारे ऊपर है, हमारी संगती कैसी है। इंसान पर भरोसा करोगे तो टूट जाएगा, ईश्वर पर भरोसा करो, आपका भरोसा कभी नहीं टूटेगा।

भगवान शंकर भक्त की लेता है परीक्षा

पंडित प्रदीप मिश्रा ने बताया कि, हर्षवर्धन राजा शिवभक्ति में लीन रहते थे। राजा हर्षवर्धन को हर जगह जीत मिली। पंडित मिश्रा ने कहा कि, जो शिवभक्ति में लीन रहता है भगवान शिव उसकी कई बार परीक्षा लेता है, क्योकि महादेव उन्हें अपना लेते है। एक दिन महादेव ने राजा हर्षवर्धन की परीक्षा ले ली, शिव जी ब्राह्मण का रूप लेकर हर्षवर्धन के पास पहुंचे। ब्राह्मण के रूप में शिव जी राजा हर्षवर्धन को बोले आप शिव के भक्त है, आप शिव क्यों नहीं बनते? राजा हर्षवर्धन ने कहा मैं शिव कभी नहीं बन सकता, मेरा सामर्थ्य नहीं है की मैं शिव बन जाऊ। ब्राह्मण ने कहा ठीक है तुम शंकर नहीं बन सकते तो शिव के जैसा दान तो कर सकते हो? राजा हर्षवर्धन ने कहा हां मैं भगवान शिव के जैसे दान कर सकता हूं, राजा हर्षवर्धन ने अपने सारा सोना-चांदी जेवरात के साथ प्रयागराज पहुंच गए और अपना सभी धन-दौलत दान कर दिया। ब्राह्मण के रूप में शंकर जी ने कहा भगवान शंकर ने तो अपना सब कुछ दान कर दिया था, उन्होंने अपने कपड़े भी दान कर दिया था तुम तो कपड़े पहने हुए हो, इतने में उन्होंने अपना कपड़ा भी दान कर दिया और नग्न अवस्था में खड़े हो गए और उसी वक्त राजा हर्षवर्धन की बहन जयश्री ने देखा की मेरा बाई नग्न खड़ा है उसने उसे कुछ कपड़ा दिया। तब राजा हर्षवर्धन के आंखों से आंसू आने लगा। तब ब्राह्मण ने राजा से पूछा तुमने सब कुछ दान कर दिया इसलिए रो रहे हो? तब राजा हर्षवर्धन ने कहा नहीं बाबा जब मैं दुनिया में आया तब भी नग्न अवस्था में था, तब शंकर ने ही वस्त्र दिए अब जब मैं निर्वस्त्र हुआ तब भी शंकर भगवान ने ही मुझे वस्त्र दिए।

रायपुर एसएसपी संतोष सिंह को मिली डॉक्टरेट की उपाधि, संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयासों से जुड़े विषय पर किया था शोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ कॉडर के वरिष्ठ आईपीएस अफसर व एसएसपी रायपुर संतोष कुमार सिंह ने एक बड़ी शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की है। उन्हें दुर्ग जिले के हेमचंद यादव विश्वविद्यालय ने उनके संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयासों से जुड़े विषय पर किए गए शोध कार्य पूर्ण करने पर सोमवार को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की है।

उन्होंने अपना शोध कार्य निर्देशक डॉ. सुनीता मिश्रा, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान शासकीय नवीन महाविद्यालय भिलाई एवं सहायक-निर्देशक डॉ. प्रमोद यादव विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान, सेठ आरसीएस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय दुर्ग के निर्देशन में पूरा किया है। उनके शोध का विषय था United Nations Peacebuilding CommissionÑ Assessing its Role and Functions (संयुक्त राष्ट्र के शांति-निर्माण प्रयासों की भूमिका व कार्यों की समालोचना)।

शोद के दौरान उन्होंने पाया है कि शीत युद्ध के बाद दुनिया में हिंसाग्रस्त राष्ट्रों में शांति को चिरस्थाई बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के शांति-रक्षा (पीस कीपिंग) और शांति-स्थापना (पीस मेकिंग) प्रयासों से आगे बढ़कर शांति-निर्माण या सुदृढ़ीकरण (पीस बिल्डिंग) कार्यों पर जोर देने की आवश्यकता है। इस सदी में संयुक्त राष्ट्र के यूएन पीसबिल्डिंग कमीशन के पर्यवेक्षण में किए जा रहे पीस-बिल्डिंग मिशनों ने दुनिया में शांति प्रयासों को बहुत मजबूत किया है। विश्वविद्यालय के टैगोर हॉल में शोध प्रस्तुतिकरण के दौरान कुलपति डॉ अरुणा पल्टा, कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से आए बाह्य परीक्षक डॉ गोपाल कृष्ण शर्मा, डॉ अंजनी शुक्ला, डॉ सुनीता मिश्रा, डॉ प्रमोद यादव, डॉ राजमणि पटेल, डॉ सपना शर्मा सहित प्राध्यापकगण व शोधार्थी उपस्थित रहे। एसएसपी संतोष सिंह की यह थीसिस संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयासों विशेषकर शांति-निर्माण (पीस-बिल्डिंग) जो शांति प्रयासों में नया क्षेत्र है, उसकी समझ बढ़ाने में मदद करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत अंतर्राष्?ट्रीय शांति व सुरक्षा बनाए रखने में संयुक?त राष?ट्र संघ की सहायता करने में दृढ़ता के साथ प्रतिबद्ध है और विभिन्न देशों में कार्यरत शांतिसेनाओं में दुनिया में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से तीसरे नंबर पर है। 1950 से अब तक हमने 49 शांति मिशनों में भाग लिया है तथा लगभग 2 लाख शांतिसैनिकों का योगदान किया है। वरिष्ठ भारतीय पुलिस और सैन्य अधिकारी शांति मिशनों में भाग लेते हैं। श्री सिंह का यह शोध-प्रबंध विदेशनीति के नीति-निर्धाताओं, प्रैक्टीसनर्स व छात्रों के लिए विशेष उपयोगी सिद्ध होगा।

देश के अंदर के हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में भी स्थाई शांति स्थापित करने के लिए आवश्यक तत्वों की समझ बढ़ाने में मदद करेगा। संतोष सिंह ने बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) वाराणसी से राजनीतिशास्त्र में एमए और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) नई दिल्ली से अंतर्राष्ट्रीय संबंध विषय में एमफिल किया। एम.फिल दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विकासशील देशों की भागीदारी पर उन्होंने शोध-प्रबन्ध लिखा था।

अवैध कब्जे से किसान हुए परेशान, खेत जाने का रास्ता हुआ बंद, कलेक्टर जनदर्शन में लगाई गुहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टोरेट परिसर में संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर की उपस्थिति में कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान ग्राम कुथरेल के ग्रामीण अवैध कब्जे से होने वाली परेशानी बताई।

पंडित श्यामा प्रसाद शुक्ला भाठा तालाब कुथरेल के पीछे स्थित भूमि में कृषि कार्य हेतु तालाब के मेड़ से आना-जाना किया जाता है। उक्त कृषि भूमि में जाने हेतु अन्य कोई रास्ता नहीं है। अन्य व्यक्ति द्वारा रास्ते में अवैध कब्जा कर मकान का निर्माण किया जा रहा है, जिससे आने-जाने का रास्ता बंद हो रहा है तथा खेती किसानी करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

सोमवार के जनदर्शन में कुल आज 205 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आवेदन लेकर पहुंचे पदुम नगर चरोदा निवासी ने अपने 10 वर्षीय पोते को दिव्यांग छात्रावास में प्रवेश दिलाने कलेक्टर से गुहार लगाते हुए कहा कि उनका पोता दिव्यांग है। बच्चे के माता-पिता रोजगार के लिए जिले से बाहर निवास करते हैं। अपनी आर्थिक स्थिति को देखते हुए बच्चे को शिक्षा प्रदान करने के लिए दिव्यांग छात्रावास दुर्ग में प्रवेश दिलाने आवेदन किया। इस पर कलेक्टर ने आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग एवं समाज कल्याण विभाग को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

वार्ड नम्बर 04 अहिवारा वार्डवासियों ने प्रतिक्षालय के पास शासकीय भूमि पर अन्य व्यक्तियों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर उक्त जमीन पर दुकान का निर्माण किए जाने की शिकायत की। इसी प्रकार ग्राम उमरपोटी के समस्त किसानों ने भारतमाला परियोजना में निर्माण हो रहे दुर्ग-आरंग के अंतर्गत वर्तमान अधिग्रहित की जा रही कृषि भूमियों के मुआवजा का निर्धारण गाईडलाईन दर के अनुसार भूमि का मूल्यांकन कर मुआवजा राशि की मांग की। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम दुर्ग को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत केसरा विकासखण्ड पाटन के सरपंच ने आवेदन सौपते हुए बताया कि ग्राम केसरा में उपस्वास्थ्य केन्द्र हेतु भवन निर्माण के लिए शासन द्वारा बजट स्वीकृत की जा चुकी है, परंतु चिन्हांकित भूमि के आसपास लगानी भूमि होने के कारण सीमांकन कराने के लिए तहसीलदार को आवेदन प्रस्तुत किया गया था। सीमांकन नही होने के कारण उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ नही हो पा रहा है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार पाटन को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

राज्यपाल से विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने सौजन्य भेंट कर उनके कार्यकाल के दौरान राज्य में उच्च शिक्षा की बेहतरी के लिए उनके द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों, मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आयुष विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार पात्रा, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ला एवं कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति प्रोफेसर बलदेव शर्मा उपस्थित थे।

कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिन्दल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान

रायपुर। नई दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के 77वें स्थापना दिवस समारोह में

कुरुक्षेत्र के सांसद और देश के अग्रणी उद्योगपति नवीन जिन्दल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के लिए लंबा कानूनी संघर्ष करने और उसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए नवीन जिन्दल के अथक प्रयासों की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंच से भरपूर तारीफ की।

राजनीति, उद्योग, शिक्षा जगत और पोलो, निशानेबाजी जैसे खेलों को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाले कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिन्दल को हंसराज कॉलेज ने दो दिन पूर्व अपने 77वें स्थापना दिवस पर खास मेहमान के रूप में आमंत्रित किया था। जिन्दल ने इसी कॉलेज से कॉमर्स में डिग्री हासिल की है। अपने इस होनहार छात्र की उपलब्धियों को देखते हुए हंसराज कॉलेज ने नवीन जिन्दल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान से अलंकृत किया। यह सम्मान उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह और हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा ने प्रदान किया।

डाइट रायपुर द्वारा शिक्षा सप्ताह का किया आयोजन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के चार वर्ष पूर्ण होने पर किया ज्ञान सिंह का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शिक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के आदेश अनुसार सभी स्कूलों एवं संस्थान में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। डाइट रायपुर में प्राचार्य बी एल देवांगन के निर्देशन में भी शिक्षा सप्ताह कार्यक्रम किए गए । पहले दिन टी .एल. एम. दिवस के तहत छात्र अध्यापकों ने प्रदर्शित किए, दूसरे दिन दिवस जिसका उद्देश्य के क्रियान्वयन हेतु सभी हितधारकों के मध्य जागरूकता विकसित करना था। तीसरे दिन खेल दिवस में शतरंज, चाइनीस चेकर, कैरम प्रतियोगिता कराई गई । चतुर्थ दिवस

सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नुक्कड़ नाटक एवं छात्र अध्यापकों द्वारा सामूहिक कर्म नृत्य प्रस्तुत किए गए। पंचम दिवस कौशल एवम डिजिटल दिवस में दीक्षा एप ,निष्ठा आदि की जानकारी दी गई । कारगिल युद्ध से संबंधित फिल्म दिखाया गया तथा शहीद पंकज विक्रम शौर्य कथा कजीवन से संबंधित फिल्म दिखाए गए। छठवें दिन इको क्लब दिवस में -एक पेड़ मां के नाम अभियान -आयोजन कर वृक्षारोपण किया गया।

अंतिम दिवस सामूहिक भागीदारी दिवस पर समुदाय से ज्ञान सिंह साहू (सेवानिवृत् स्टेट बैंक मुख्य प्रबंधक) का सफलता के आत्म कहानी का कार्यक्रम रखा गया। ज्ञान सिंह का प्राचार्य द्वारा शाल, श्रीफल, पुस्तक भेंट कर सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि ज्ञान सिंह द्वारा संस्थान के खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए प्राचार्य को अंशदान भेंट किया गया । अंत में सभी छात्र अध्यापकों, समुदाय के लोगों तथा अकादमि सदस्यों, कार्यालय लिपिको व सभी कर्मचारियों को उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के ञतहत उल्लास शपथ प्राचार्य बी एल देवांगन द्वारा दिलाई गई। इसके पूर्व छबि राम साहू (सहायक अध्यापक) ने उल्लास साक्षरता कार्यक्रम की जानकारी दी।

उल्लास शपथ का कार्यक्रम डाइट रायपुर के साथ-साथ संलग्न शासकीय प्राथमिक अभ्यास शाला एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक अभ्यास शाला में भी कराई गई । समुदाय के पालकों को भी उल्लास शपथ कराया गया। साप्ताहिक कार्यक्रम में डाइट रायपुर से विशेष रूप से डॉक्टर रीता चौबे, अर्चना वेरुलकर, छबि राम साहू ,डॉक्टर सुशील जैन ,प्रीति देशपांडे के साथ-साथ सभी अकादमिक सदस्यों तथा प्रधान पाठक द्वय वर्षा ध्रुव ,रूहानी फ्रैंकलिन एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं व छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

महिलाओं को न्याय दिलाने में सदस्यों का हमेशा सहयोग रहा : डॉ. नायक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के सदस्य श्रीमती नीता विश्वकर्मा (सरगुजा), श्रीमती अर्चना उपाध्याय (कोरबा) एवं श्रीमती बालो बघेल (बस्तर) का कार्यकाल पूरा हुआ। 3 वर्ष पूर्व 5 सदस्यों की नियुक्ति हुई थी जिसमें श्रीमती राठौर की कार्यकाल के दौरान स्वर्गवास हो गया था एवं डॉ. अनिता रावटे ने 2 माह पूर्व इस्तीफा दे दिया था। बाकी तीनों सदस्यों ने अपना कार्यकाल 27 जुलाई को पूर्ण किया।

ज्ञात हो कि पांचो सदस्यों ने 27 जुलाई 2021 को आयोग में पदभार ग्रहण किया था। आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक के निर्देश पर आयोग द्वारा सदस्यों की विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन आयोग मुख्यालय में किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात करते हुये अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक द्वारा सदस्य नीता विश्वकर्मा (सरगुजा), अर्चना उपाध्याय (कोरबा) एवं बालो बघेल (बस्तर) का मेमेन्टो श्रीफल एवं शाल द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें आयोग के सदस्य सचिव मनोज कुमार, सहायक संचालिका पुष्पा किरण कुजूर

एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे।

उपस्थितजनों को संबोधित करते हुये अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने बताया कि उनकी नियुक्ति के 1 वर्ष पश्चात् पांचो सदस्यों की नियुक्ति हुई थी। नियुक्ति के पहले अध्यक्ष द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री छ.ग. शासन से विशेष निवेदन किया गया था कि सभी संभागों से सदस्यों की नियुक्तियां की जाय ताकि महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने में तथा सभी क्षेत्रों में आयोग के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में आयोग को सहयोग मिलता रहे। फ्लस्वरूप लगभग सभी संभागों के अन्तर्गत सदस्यों की नियुक्ति हुई थी खास करके बस्तर और सरगुजा संभाग को विशेष ध्यान रखते हुये नियुक्ति की गई थी। अंत में अध्यक्ष ने उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि आयोग के कार्यों में एवं महिलाओं को जल्द से जल्द न्याय दिलाने में आप सभी का अनुभव की वजह से ही हमने हजारों की संख्या में महिलाओं को उनका अधिकार दिला पाये। हमारी कोशिश रहेगी कि भविष्य में भी आप सभी के अनुभव का आयोग को सहयोग मिलता रहे।

सदस्य नीता विश्वकर्मा ने कहा कि जब हम किसी परिवार से जुडते है तो उनसे अलग होने में तकलीफ होती है यह 3 वर्ष कब समाप्त हुआ पता ही नहीं चला। अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक के साथ इस 3 वर्ष में बहुत कुछ सीखने को मिला। सदस्य के रूप में भले ही यह मेरा आखरी दिन है मगर महिलाओं को न्याय दिलाने में आगे भी कार्य करते रहेंगे। सदस्य बालो बघेल ने कहा कि मैं बस्तर संभाग की एक छोटे से गांव से आती हूं मुझे डॉ. किरणमयी नायक की वजह से महिलाओं को न्याय दिलाने का अवसर प्राप्त हुआ जिसके लिए मैं अध्यक्ष जी की आभारी हूँ। आयोग में सदस्य के रूप में अध्यक्ष के साथ कार्य करने के उपरान्त बहुत कुछ सिखने को मिला।

सदस्य अर्चना उपाध्याय ने कहा कि इन 3 वर्षों में अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक के साथ में कार्य करने पर बहुत कुछ सीखने को मिला आज मेरे कार्यकाल का अंतिम दिवस है मगर यह मुझे भरोसा ही नही हो रहा है कि मेरा कार्यकाल समाप्त हो गया। आप सभी के सहयोग से यह 3 वर्ष कैसे बीता पता ही नहीं चला। कार्यक्रम के समाप्ति पर सदस्य सचिव मनोज कुमार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि अध्यक्ष एवं सदस्यगणों के साथ में सदस्य सचिव के रूप में कार्य करने का भले ही कम दिनों का अनुभव रहा हो मगर बस्तर जिले में जिला कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए मैने देखा है कि पिछले 4 वर्षों में अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं सभी सदस्यों ने हजारों की संख्या में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर महिलाओं को हर संभव प्रयास करते हुये न्याय दिलाया है।

उड़ान योजना: जल्द शुरू होगी रायपुर-अंबिकापुर हवाई सेवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्र सरकार की उड़ान योजना के पहले दौर में अंबिकापुर-बिलासपुर, और अंबिकापुर-रायपुर-अंबिकापुर विमान सेवा जल्द शुरू होगी। इसके लिए विमानन कंपनी का चयन भी कर लिया गया है।

केन्द्रीय नगरीय विमानन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने भाजपा विधायक राजेश अग्रवाल के पत्र के जवाब में विस्तार से जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अंबिकापुर हवाई अड्डा छत्तीसगढ़ सरकार के स्वामित्व में हैं।

केन्द्रीय विमानन मंत्री ने बताया कि केन्द्र सरकार उड़ान योजना संचालित कर रही है। उड़ान योजना के पहले दौर की प्रक्रिया के अंतर्गत अंबिकापुर हवाई अड्डे की उड़ानों के प्रचालन के लिए चिन्हित किया गया था। उन्होंने बताया कि उड़ान योजना के अंतर्गत अंबिकापुर-बिलासपुर-अंबिकापुर, और अंबिकापुर-रायपुर-अंबिकापुर मार्ग पर विमान सेवा शुरू करने के लिए मेसर्स फ्लाईबिग को अवॉर्ड किया गया है।

यह विमान सेवा 19 सीटर होगी। विमान की उपलब्धता के आधार पर एयरलाइन जल्द ही विमान सेवा शुरू कर सकती है। उल्लेखनीय है कि राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर-रायपुर-नागपुर, वाराणसी और नई दिल्ली को अंबिकापुर से जोडने के लिए विमान सेवा शुरू करने का आग्रह किया था।

रेडक्रॉस इकाई ने राज्यपाल को किया सम्मानित

राज्यपाल हरिचंदन ने किया छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस इकाई की स्मारिका का विमोचन

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने आज राजभवन में रेडक्रॉस समिति छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा प्रकाशित वर्ष 2023-24 की स्मारिका का विमोचन किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस समिति छत्तीसगढ़ के मुख्यकार्यपालन अधिकारी एमके राउत ने संस्था के राज्य संरक्षक राज्यपाल श्री हरिचंदन के कार्यकाल के दौरान रेडक्रॉस की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस द्वारा संचालित ब्लड बैंक को अत्याधुनिक बनाने के लिए सर्वसुविधायुक्त भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस निर्माण के लिए राज्यपाल ने स्वेच्छानुदान मद से 72 लाख रूपए प्रदान किए। राज्यपाल के निर्देश पर आकस्मिक स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए शासकीय चिकित्सकों को प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। उनके द्वारा राज्य के सभी जिलों में गांव-गांव में प्राथमिक चिकित्सा सहायता का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

श्री हरिचंदन की पहल पर विभिन्न औद्योगिक संस्थानों द्वारा अपने कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) मद से 50 लाख की राशि रेडक्रॉस को प्रदान की गई है। साथ ही केन्द्र सरकार की संस्था ग्रामीण विद्युत कॉर्पोरेशन द्वारा 4 करोड़ 83 लाख की लागत के चार मेडिकल मोबाईल यूनिट (एम्बुलेंस) आदिवासी क्षेत्रों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। रेडक्रॉस समिति के पदाधिकारियों ने इसके लिए श्री हरिचंदन का आभार माना। संस्था की ओर से राज्यपाल को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रेडक्रॉस समिति छत्तीसगढ़ के चेयरमेन श्री अशोक अग्रवाल, सचिव डॉ. रूपल पुरोहित, डॉ एसएन पाण्डेय एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

क्रीड़ा भारती छत्तीसगढ़ प्रान्त क्रीड़ा केन्द्र प्रशिक्षण वर्ग का दो दिवसीय आयोजन

खेल को जनमानस तक पहुंचाना ही हमारा मुख्य लक्ष्य-सुमीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। क्रीड़ा भारती छत्तीसगढ़ प्रान्त का 2 दिवसीय क्रीड़ा केन्द्र प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 27 एवं 28 जुलाई को राम मंदिर परिसर भरत भवन में आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ राज्य के 12 जिलों के क्रीड़ा केन्द्र प्रशिक्षक व पदाधिकारी उपस्थित रहे, कार्यक्रम के संयोजक वीरेन्द्र देशमुख व सुधीर राजपाल थे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रान्त क्रीड़ा भारती के प्रान्त मंत्री सुमीत कुमार उपाध्याय ने कहा कि खेल को जनमानस तक पहुंचाना ही हमारा मुख्य लक्ष्य है, हम चाहते है कि सभी वर्ग के सभी आयु के लोग खेल से जुड़कर स्वस्थ्य समाज की स्थापना में अपनी सहयोग दे।

उन्होंने आगे कहा कि सभी क्रीड़ा केन्द्रों में खेल प्रशिक्षण का सुचारू रूप से संचालन हो ग्रामीण पराम्परागत खेलों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को जोड़कर खेलों का विकास खिलाडियों की प्रतिभा को निखारना व उनको राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तैयार करना हमारा उद्देश्य है, खिलाड़ियों को संस्कारवान बना

खिलाड़ियों में समता का गुण लाना, खिलाड़ियों में देशभक्ति गुण पैदा करना, खिलाड़ियों को आत्मवल प्रदान कर बेहतर नागरिक बनाना, हमारा मिशन है।

क्रीड़ा भारती सह संगठन मंत्री तारणीश गौतम ने क्रीड़ा भारती के संगठन, उद्देश्य पर प्रकाश डाला, अर्न्तराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सुश्री नीता डुमरे ने क्रीड़ा केन्द्र में प्रशिक्षकों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। क्रीड़ा भारती के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुधीर राजपाल ने खिलाड़ियों के कौशल विकास पर अपना विचार प्रकट किया, विभाग संयोजक छगनलाल सोनवानी ने योगासान, सूर्य नमस्कार व शारिरिक अभ्यास द्वारा क्रीड़ा केन्द्र प्रशिक्षकों को योग के महत्व को समझाया। क्रीड़ा भारती रायपुर महानगर मंत्री, विरेन्द्र देशमुख ने फिलासाफिकल कान्सेप्ट ऑफ कोचिग पर अपना विचार प्रकट किया। छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रदेश उपाध्यक्ष, गोपेश्वर कहरा ने खिलाड़ियों की प्रतिभा विकास के लिए आवश्यक सुझाव दिये, क्रीड़ा भारती के प्रदेश अध्यक्ष, संजय शर्मा ने भार प्रशिक्षण के विषय में सभी क्रीड़ा केन्द्र प्रशिक्षकों को मार्गदर्शन दिया, खिलाड़ियों स्पोर्टस इंजूरी के बचाव के लिए एफ-95 फिलियोथैरेपी सेंटर रायपुर द्वारा क्रीड़ा केन्द्र प्रशिक्षकों को जानकारी देकर मार्गदर्शित किया गया, क्रीड़ा भारती छत्तीसगढ़ प्रान्त द्वारा प्रशिक्षण वर्ग समापन अवसर पर 50 वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन वीरेन्द्र देशमुख व आभार प्रदर्शन गोपेश्वर कहरा ने किया।

इस अवसर पर धमतरी क्रीड़ा भारती जिलाध्यक्ष लक्ष्मण पहलवान, गरियाबंद क्रीड़ा भारती जिलाध्यक्ष शरद पारकर खेलों इंडिया हॉकी सेंटर के कोच, राकेश गड़वाल, सतीश कुमार यादव, भूपेन्द्र पुष्कर, भरत युन्देल, नन्कू महाराज, रोहित द्विवेदी व अन्य जिलों से आये सभी प्रशिक्षक व क्रीड़ा भारती के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने लगाई जनचौपाल, वनांचलवासी और ग्रामीणों की सुनी समस्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में दूर-दराज से पहुंचे वनांचल, ग्रामीणों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता पूर्वक सुनी और नियमानुसार त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। आज जनदर्शन में ग्राम पंचायत धमकी निवासी दसरू साहू ने अपने जमीन के खसरों का नाप कर नक्शा कटवाने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने तत्काल दूरभाष के माध्यम से कवर्धा तहसीलदार

को जांच कर त्वरित निराकरण और आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम हरिनछपरा निवासी सालिकराम ने फसल मुआवजा के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित भोरमदेव शक्कर कारखाना के प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। ग्राम बैहरसरी के ग्रामीणों ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने आवेदन दिया। कलेक्टर ने अपर कलेक्टर को जांच कर त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए।

इसके साथ ही ग्रामीणों ने कलेक्टर से मुलाकात कर राजस्व प्रकरणों के निराकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि से संबंधित समस्याओं से अवगत कराया तथा त्वरित निराकरण की मांग की। सभी आवेदकों ने अपनी समस्या और मांगों से संबंधित आवेदन पत्र कलेक्टर को सौंपे। कलेक्टर महोबे ने ग्रामीणों के विभिन्न समस्या एवं मांगों से संबंधित आवेदन को गंभीरता से लिया और नियमानुसार निराकरण की बात कहीं। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर हर्षलता वर्मा, आरबी देवांगन उपस्थित थे।

प्रेमा को प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला आशियाना

राजनांदगांव। राजनांदगांव नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक 1 बाबूटोला निवासी प्रेमा सोनकर अपने दो बच्चों के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर जमीन मोर मकान के तहत बने पक्के घर में खुशी-खुशी जीवन यापन कर रही है।

प्रेमा ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर बनाने के लिए 2 लाख 26 हजार रूपए की राशि मिली है। जिससे वे अपना स्वयं का घर बना पाई है। प्रेमा ने बताया कि वह नगर पालिक निगम में डोर-टू-डोर कचरा सेंटर सुपरवाईजर के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

महिला स्वास्थ्य से जुड़े अनुसंधानों में कमी पर अपूर्वा अरोड़ा ने जताई चिंता

हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज फैमिली आज कल में दिखने वाली एक्ट्रेस अपूर्वा अरोड़ा ने महिलाओं के लिए उचित स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त की है। पीसीओडी (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) से जूझने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद महिलाओं को समर्पित शोधों की कमी है।

पीसीओडी एक हार्मोन से जुड़ी बीमारी है, जिसमें महिलाओं में सामान्य फर्टिलिटी साइकिल बाधित हो जाता है। एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए अपूर्वा ने कहा, (महिला शरीर के बारे में) समझ में यह कमी महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण पर गलत असर डालता है। महिलाएं दुनिया की आधी आबादी हैं, और अगर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल रही है, तो यह एक समाज के रूप में हमारी प्रगति पर सवाल उठाता है।

एक्ट्रेस ने कहा, पारंपरिक रूप से, महिलाओं को अधिकार वाले पदों पर कम प्रतिनिधित्व दिया गया है और अक्सर उन्हें उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए मान्यता नहीं मिली है। स्वास्थ्य सेवा में लैंगिक समानता हासिल करने और सभी की जरूरतें पूरी करने के लिए इन मुद्दों पर काम करना महत्वपूर्ण है, जो आम तौर पर छोटे कदम लगते हैं।

हिंदी, गुजराती, पंजाबी और कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकी अपूर्वा ने यह भी बताया कि कैसे योग ने उन्हें पीसीओडी से संबंधित लक्षणों से राहत दिलाने में मदद की है। उन्होंने कहा कि योग उनकी फिटनेस यात्रा में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कई तरह के व्यायाम आजमाए, लेकिन योग ही उनके लिए फायदेमंद साबित हुआ है। उन्होंने कहा, योग ने मुझे पिछले कुछ साल में पीसीओडी से संबंधित लक्षणों से राहत दिलाने में मदद की है और साथ ही पुरानी चोटों को ठीक करने में भी सहायक रहा है।

तापसी पन्नू की फिर आई हसीन दिलरुबा का रोमांस और सस्पेंस से भरा ट्रेलर हुआ रिलीज

तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल स्टारर रोमांटिक थ्रिलर- सस्पेंसिव फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा का ट्रेलर आज 25 जुलाई को रिलीज हो गया है। फिर आई हसीन दिलरुबा का ट्रेलर प्यार, धोखा और फिर मर्डर मिस्ट्री से लैस है। तापसी पन्नू एक बार फिर मर्डर के केस में फंसने के तैयार हैं। फिर आई हसीन दिलरुबा आगामी 9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। फिर आई हसीन दिलरुबा साल 2021 में आई फिल्म हसीना दिलरुबा का सीक्वल है। इसे जयप्रद देसाई ने डायरेक्ट किया है और इस बार फिल्म में विक्की कौशल के भाई सनी कौशल की एंट्री हुई है।

फिर आई हसीन दिलरुबा के ट्रेलर की बात करें तो यह शुरू से ही अपने साथ जोड़ने की ताकत रखता है। तापसी एक बार फिर अपने रानी के रोल मे बोल्ड अंदाज से कहर ढा रही हैं। इधर, रानी के पति के रोल में रिशू (विक्रांत मैसी) का रोल काफी सस्पेंसिव है। रिशू और रानी की शादी के सीन ट्रेलर में दिख रहे हैं। वहीं, रिशू अपनी पत्नी रानी से कहता है कि उनकी जिंदगी में तीसरे शख्स की एंट्री नहीं होना चाहिए और वहीं अगले ही सीन में रानी की जिंदगी में अभिमन्यू (सनी कौशल) एक सीधे-सादे इंसान के रोल में रानी की जिंदगी में एंटर होता है, जो रानी के प्यार में पागल है।

वहीं, रानी, रिशू और अभिमन्यू की इस तिकड़ी में एक इंसान का मर्डर हो चुका है, और वो है फिल्म के पार्ट 1 में नील त्रिपाठी के रोल में दिखे हर्षवर्धन राणे। नील का मर्डर हुआ है, लेकिन उसकी डेड बॉडी नहीं मिली सिर्फ हाथ मिला है, जिसकी कलाई पर रानी का नाम लिखा है। अब पुलिस का सारा शक रानी (तापसी) पर है। पुलिस के रोल में नील के सगे चाचा जिमी शेरगिल है, जो रानी से पर्सनल लेवल पर पूछताछ करेंगे।

अब फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा नील रहस्मयी मर्डर पर आकर टिकती है। आखिर किसने किया नील का मर्डर। क्या अपने प्यार के जाल में लोगों को फंसाने वाली रानी ने, या रानी के आस-पास भटकने वाले लोगों पर नजर रखने वाले उसके पति रिशू सक्सेना ने या फिर फिल्म में एक आम इंसान के रोल में दिख रहे अभिमन्यू (सनी कौशल) ने। इसका खुलासा आगामी 9 अगस्त को होगा। कनिका ढिल्लों ने फिल्म की कहानी को लिखा है। वह फिल्म की सह-निर्माता भी हैं।

जन्मदिन के मौके पर संजय दत्त को बेटी त्रिशाला व वाइफ मान्यता दत्त ने दी बधाई

सन ऑफसरदार 2 के अभिनेता संजय दत्त आज अपना 65वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनके चाहने वाले उन्हें बधाई दे रहे हैं। इस बीच उनकी वाइफमान्यता दत्त ने भी विश किया है। इसके अलावा अभिनेता की बड़ी बेटी त्रिशाला दत्त ने भी पापा को खास अंदाज में बर्थडे विश दी है।

मान्यता दत्त का जन्मदिन पोस्ट

आज यानी 29 जुलाई को मान्यता दत्त ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पति के लिए स्पेशल बर्थडे पोस्ट का एक वीडियो शेयर किया है। इस क्लिप में उन्होंने अभिनेता के साथ खास पलो की तस्वीरों के साझा की है और लिखा है- मेरे जीवन साथी को जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई। मेरे सबसे मजबूत और जीवन समर्थन प्रणाली से भरपूर। आपका आंतरिक प्रकाश सभी बाधाओं को पार कर जाता है, किसी भी कठिनाइयों और चुनौतियों पर काबू पा लेता है। आपके पास है नि:स्वार्थ और बिना शर्त प्यार करने की क्षमता, इसे ऐसे ही बनाए रखें। मान्यता दत्त ने आगे अपने पोस्ट में लिखा आप न केवल मेरे लिए, बल्कि कई अन्य लोगों के लिए अनमोल और विशेष हैं। जो आपको पूरे दिल से प्यार करते हैं, आपको ढेर सारा प्यार।

बेटी त्रिशाला दत्त ने भी बधाई

मान्यता दत्त के अलावा अभिनेता की बेटी त्रिशाला दत्त ने भी एक वीडियो जारी किया, जिसमें संजय डीजे बने हुए गए और कैप्शन में उन्होंने लिखा, आई लव यू पॉप्स हैप्पी बर्थडे।

संजय दत्त का वर्क फ्रंट

संजय दत्त के पास इन दिनों कई फिल्मों में है। वह जल्द अजय देवगन, मृणाल ठाकुर और कुब्रा सैत के साथ एक्शन-कॉमेडी सन ऑफ सरदार 2 में नजर आएंगे। इसके अलावा बाप, द गुड महाराजा, मुन्ना भाई 3, घुड़चढ़ी और मास्टर-ब्लास्टर में नजर आएंगे। इन फिल्मों में से कुछ इसी साल पर्दे पर रिलीज होगी। तो वहीं कुछ साल 2025 में रिलीज होने वाली हैं।

शर्लिन चोपड़ा ने ब्लू बॉडीकॉन ड्रेस में दिए किलर पोज, एक्ट्रेस की हॉटनेस ने फैंस को किया मदहोश

एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा को फॉलो करने वाले जानते हैं कि वो अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए कितनी फेमस हैं। हाल ही में उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो वायरल हो रहीं। एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ग्लैरमस एक्ट्रेस हैं और वो खुलकर बोलती हैं कि अगर इंडस्ट्री में टिकना है तो उन्हें ऐसा अंदाज रखना होगा। हाल ही में उनकी ब्लू ड्रेस वाली तस्वीरें आईं जिसे फैंस पसंद कर रहे हैं।

40 वर्षीय एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा अपने बेबाक अंदाज और बयानों के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीरें देख फैंस आहें भरने लगते हैं। शर्लिन चोपड़ा ने हाल ही में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। ब्लू रंग की वन पीस ड्रेस में शर्लिन बेहद ग्लैमरस नजर आ रही हैं। उनके इसी अंदाज के तो फैंस दीवाने हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए शर्लिन चोपड़ा ने लिखा, उसकी आंखे खुद के शब्दाकोष बनाती हैं।।सीखने के लिए कितनी सुंदर भाषा है।

इसके साथ ही शर्लिन चोपड़ा ने अलग-अलग पोज में कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों पर फैंस के एक से बढ़कर एक कमेंट्स भी कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शर्लिन चोपड़ा के 16 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर्स हैं। यहां शर्लिन अक्सर ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो शर्लिन चोपड़ा ने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी। बाद में शर्लिन को बॉलीवुड फिल्मों में काम करने का मौका मिला। शर्लिन चोपड़ा ने अब तक कामसूत्रा, रेड स्वास्तिक, वजह तुम हो, नॉटी बॉय, टाइम पास, जवानी दीवानी, रकीब और गेम जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

जिम जाते हैं, लेकिन प्रोटीन डाइट नहीं लेते... जानें ऐसा करने पर क्या होता है

बहुत से लोग जिम में घंटों मेहनत करते हैं और पसीना बहाते हैं, लेकिन अपनी डाइट में पर्याप्त प्रोटीन नहीं लेते। क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने से आपके शरीर पर क्या असर पड़ेगा? अगर आप सही मात्रा में प्रोटीन नहीं लेते, तो आपकी मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं और आपकी मेहनत का पूरा फायदा नहीं मिल पाता। आइए जानते हैं कि प्रोटीन की कमी से आपके शरीर पर क्या असर पड़ता है और इसके लिए क्या करें।

प्रोटीन क्यों जरूरी है?

प्रोटीन हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। जब आप जिम में वर्कआउट करते हैं, तो आपकी मांसपेशियों में टूट-फूट होती है। प्रोटीन इन मांसपेशियों को ठीक करने और मजबूत बनाने में मदद करता है। अगर आप पर्याप्त प्रोटीन नहीं लेंगे, तो आपकी मांसपेशियां ठीक से नहीं बन पाएंगी और कमजोर हो सकती हैं।

प्रोटीन की कमी के नुकसान

- **मांसपेशियों की कमजोरी:** प्रोटीन की कमी से आपकी मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं। इससे आपकी ताकत कम हो जाएगी और आप जल्दी थक जाएंगे।
- **थकान और कमजोरी:** पर्याप्त प्रोटीन नहीं लेने से आपको जल्दी थकान महसूस होगी और आपकी ऊर्जा कम हो जाएगी।
- **रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होना:** प्रोटीन आपकी इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। इसकी कमी से आप जल्दी बीमार पड़ सकते हैं।
- **वजन कम करने में दिक्कत:** अगर आपका लक्ष्य वजन कम करना है, तो प्रोटीन की कमी इसे मुश्किल बना सकती है। प्रोटीन से भरपूर आहार आपकी भूख को नियंत्रित करने और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है।

जिम में वर्कआउट करने वालों के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है, क्योंकि यह मांसपेशियों की मरम्मत और बड़े में मदद करता है। हर उम्र और लिंग के हिसाब से प्रोटीन की जरूरत अलग-अलग होती है। आइए जानते हैं कि किसे कितनी प्रोटीन लेनी चाहिए।

18-30 साल

- **मेल:** इस उम्र में मेल्स को लगभग 1.6 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए। अगर आपका वजन 70 किलो है, तो आपको लगभग 112 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए।
- **फीमेल:** फीमेल्स को इस उम्र में लगभग 1.4 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए। अगर आपका वजन 60 किलो है, तो आपको लगभग 84 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए।

31-50 साल

- **मेल:** इस उम्र में मेल्स को लगभग 1.4-1.6 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए। अगर आपका वजन 70 किलो है, तो आपको लगभग 98-112 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए।
- **फीमेल:** फीमेल्स को इस उम्र में लगभग 1.2-1.4 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए। अगर आपका वजन 60 किलो है, तो आपको लगभग 72-84 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए।

50 साल से ऊपर

- **मेल:** इस उम्र में मेल्स को लगभग 1.2-1.5 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए। अगर आपका वजन 70 किलो है, तो आपको लगभग 84-105 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए।
- **फीमेल:** फीमेल्स को इस उम्र में लगभग 1.0-1.2 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए। अगर आपका वजन 60 किलो है, तो आपको लगभग 60-72 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए।

प्रोटीन के अच्छे स्रोत

- **अंडे:** एक अंडे में लगभग 6 ग्राम प्रोटीन होता है।
- **चिकन:** 100 ग्राम चिकन में लगभग 31 ग्राम प्रोटीन होता है।
- **मछली:** 100 ग्राम मछली में लगभग 20-25 ग्राम प्रोटीन होता है।
- **दाल:** एक कप दाल में लगभग 18 ग्राम प्रोटीन होता है।
- **नट्स और बीज:** एक मुट्ठी नट्स में लगभग 5-7 ग्राम प्रोटीन होता है।
- **दूध और दूध से बने उत्पाद:** एक कप दूध में लगभग 8 ग्राम प्रोटीन होता है।

अंडरआर्म्स की बदबू से होना पड़ रहा शर्मसार इन तरीकों से रहिए हमेशा खिली-खिली

मानसून ने दस्तक दे दी है, जिसकी वजह से कभी जोरदार बारिश हो रही है तो कभी उमस दम निकाल देती है और जमकर पसीना आता है। इसकी वजह से अंडरआर्म्स में पसीना जम जाता है और इस जगह से बदबू आने लगती है। इसकी वजह से कई बार लोग आपके पास बैठना भी पसंद नहीं करते हैं और आपको शर्मसार होना पड़ता है। आइए आपको ऐसे तरीके बताते हैं, जिससे आपको अंडरआर्म्स की बदबू से निजात मिल जाएगी और हमेशा खिली-खिली रहेंगी।

सूती कपड़ों से मिलेगी काफी मदद

गर्मी और मानसून के दौरान हमेशा सूती कपड़े पहनने चाहिए। दरअसल, सूती कपड़ों में हवा आसानी से आर-पार होती रहती है, जिससे आपकी स्किन आराम से हवा के संपर्क में रहती है और पसीना नहीं आता है। वहीं, सूती कपड़े पसीने को आराम से सोख भी लेते हैं, जबकि सिंथेटिक कपड़ों में पसीना नहीं सूखता और वह बदबू मारने लगता है। गर्मियों और मानसून में हमेशा हल्के रंग के और ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनने चाहिए, जिससे आपके अंडरआर्म्स पर पसीना कभी नहीं टिकेगा।

लूफा के इस्तेमाल से भी मिलती है राहत

नहाते वक्त आप अंडरआर्म्स को लूफा की मदद से आसानी से साफ कर सकती हैं। यह डेड स्किन को हटा देता है, जिससे अनचाही बदबू नहीं आती है। हालांकि, यह बात ध्यान रखने वाली है कि इस्तेमाल करने के बाद लूफा को भी अच्छी तरह साफ करना चाहिए, वरना इसमें फंसी डेड स्किन की वजह से इंफेक्शन होने का खतरा भी रहता है।

अंडरआर्म्स साफ रखने से भी दूर होगी दिक्कत

काफी लोग अपने अंडरआर्म्स साफ नहीं करते हैं, जिसकी वजह से वहां बाल आदि बने रहते हैं, जिनमें गंदगी भर जाती है। ऐसे में अंडरआर्म्स को समय-समय पर शेव करना चाहिए या हेयर रिमूवर क्रीम का इस्तेमाल करके उन्हें हटाना चाहिए। इससे अंडरआर्म्स में पसीना नहीं टिक पाता है।

एंटीपर्सपिरेंट का यूज भी देता है राहत

अगर आप अंडरआर्म्स क्लीन रखती है, लेकिन बदबू से निजात नहीं मिल रही है तो आप एंटीपर्सपिरेंट भी यूज कर सकती हैं। यह डियो से बेहतर तरीके से काम करता है। दरअसल, डियो सिर्फ बदबू को दबा देता है, जबकि एंटीपर्सपिरेंट की वजह से पसीना नहीं आता है, क्योंकि यह पसीने वाली ग्लैंड्स को ब्लॉक कर देता है।

नहाने के तुरंत बाद न पहनें कपड़े

कामकाज को लेकर अक्सर इतनी ज्यादा जल्दी होती है कि महिलाएं नहाने के तुरंत बाद कपड़े पहनना शुरू कर देती हैं। इसकी वजह से शरीर पूरी तरह से नॉर्मल नहीं हो पाता है और पसीना बनने लगता है। नहाने के बाद शरीर को सूखे के लिए कुछ वक्त देना चाहिए। इसके बाद ही कपड़े पहनने चाहिए, जिससे अंडरआर्म्स गीले नहीं रहेंगे और आपको बदबू की दिक्कत नहीं होगी।

खास खबर

कलेक्टर ने जिले में 6 और नए नये आंगनबाड़ी भवनों की दी स्वीकृति

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों के गांवों में आंगनबाड़ी भवनों की समस्या को दूर करने 6 और नए आंगनबाड़ी भवनों की स्वीकृति दी है।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कुछ दिन पहले 34 नए आंगनबाड़ी भवनों की स्वीकृति दी थी।अब 6 नए भवनों की स्वीकृति के साथ जिले में कुल 40 नए आंगनबाड़ी भवन बनेंगे।इसके अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र राजिम के 13 और वनांचल क्षेत्र बिंद्रानवागढ़ के 27 नए आंगनबाड़ी भवन शामिल है।नये आंगनबाड़ी भवन बनने से छोटे बच्चों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास तथा पढ़ाई लिखाई में भी सहायक होगी। साथ ही भवनों की समस्याओं से भी निजात मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व कुछ गांव के ग्रामीणों ने गांव में नये आंगनबाड़ी भवन एवं जर्जर भवनों के बदले नये निर्माण की मांग को जिला प्रशासन को अवगत कराया था। छोटे बच्चों के भविष्य एवं पढ़ाई-लिखाई की बेहतर सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर अग्रवाल ने मामले को संज्ञान में लेते हुए नये भवनों की स्वीकृति दी है। साथ ही कलेक्टर अग्रवाल ने नये आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्य को जल्द शुरू कर निर्धारित समय-सीमा अंतर्गत कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश भी दिये है। 40 नये स्वीकृत नये भवन मनरेगा अभिसरण, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं 15वें वित्त आयोग के समन्वय से निर्मित किया जायेगा।

कार्यकर्ताओ की मेहनत, लगन व परिश्रम से ही आज मैं विधायक बना हूं : ललित चंद्राकर

दुर्ग। लोकसभा और विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी जीत के बाद छत्तीसगढ़ में बीजेपी की प्रदेश कार्य समिति की बैठक सभी जिलों में चल रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग जिला उतई मंडल की विस्तृत कार्यसमिति की करगाडीह में सोमवार को संपन्न हुआ। जिसमें आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर वर्किंग प्लानिंग बनाई गई। इसके साथ ही निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर भी रणनीति तैयार की गई। विस्तृत कार्यसमिति बैठक की शुरुवात भारत माता, डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी , दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र पर पुष्पहार व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत पूजा अर्चना के साथ शुरुवात किया। स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष फत्ते लाल वर्मा ने और नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई प्रस्ताव लक्ष्मी नारायण साहू ने रखा। भारत की राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू संसद में दिए गए अभिभाषण का सार शीतल ठाकुर राजनितिक प्रस्ताव व प्रदेश कार्य समिति की बात सतीश चंद्राकर ने रखा। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने कहा विधान सभा चुनाव 2023 के 6 महीने पहले छत्तीसगढ़ की क्या स्थिति थी यह आप सभी को पता है कांग्रेश ने प्रदेश को भ्रष्टाचार और अपराध का गढ़ बना दिया था जनता त्रस्त थी । कांग्रेश ने जनता के बीच क्या भ्रम फैला रखा था आप सभी जानते ही हैं।

जिले में शिक्षा सप्ताह का आयोजन सम्पन्न

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वाधान में कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक रोहित व्यास तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला परियोजना संचालक समग्र शिक्षा कमलेश नन्दिनी साहु के निर्देशानुसार, जिला शिक्षा अधिकारी, रामललित पटेल एवं जिला मिशन समन्वयक, शशिकान्त सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर शिक्षा सप्ताह का आयोजन जिले के सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त एवं निजी विद्यालयों में दिनांक 22 जुलाई से 28 जुलाई 2024 तक एक सप्ताह शिक्षा सप्ताह का आयोजन करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भवना को जन-जन तक पहुंचाना है, इस हेतु जिले के समस्त शालाओं में दिवसवार गतिविधियों का आयोजन किया किया गया। जिसके तहत सोमवार को प्रथम दिवस - दिवस - शिक्षकों को स्थानीय सामग्री के प्रदर्शन एवं कक्षा में इनके उपयोग हेतु प्रोत्साहित करने का गतिविधियां, मंगलवार, द्वितीय दिवस - दिवस - स्वच्छ के क्रियान्वयन हेतु सभी हितधारकों के मध्य जागरूकता विकसित करने का कार्य, एक पेंड़ मां के नाम का आयोजन स्कूलों में वृक्षारोपण का कार्य किया गया।

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को दी गई भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को आज यहां राजभवन परिवार द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने राजभवन परिवार के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अपने कार्यकाल के विभिन्न पलों को याद किया और राजभवन परिवार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार, विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय सहित राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल को राजभवन परिवार की ओर से शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और यहां लोगों की मेहनत, समर्पण और साहस को नजदीक से देखा। यहां की भूमि न केवल प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है बल्कि छत्तीसगढ़ के लोग भी अत्यंत सरल, सहज होते हैं। सभी लोगों ने जो स्नेह और सम्मान दिया है उसे भूलना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण योजनाओं एवं नीतियों को लागू किया गया। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी गुणवत्तायुक्त, अध्ययन - अध्यापन हो जिससे विद्यार्थियों का भविष्य बेहतर हो सके यह उनकी कोशिश रही। विश्वविद्यालयों में समय पर दीक्षांत समारोह करने के निर्देश दिये। कुलाधिपति के रूप में उन्होंने सदैव विद्यार्थियों को राष्ट्र की सेवा करने एवं गरीब, शोषित व वंचित वर्ग के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित किया। सबका अधिकार उनको मिलना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि आम लोगों के अधिकार की रक्षा के लिए वे हमेशा संघर्ष करते रहे है। जहां भी अन्याय देखा उसके विरूद्ध खड़े हो गये। समाज में व्याप्त अन्याय, शोषण को दूर करना आप सभी का भी कर्त्तव्य है। राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण आज विश्व की बड़ी समस्या है। इसके लिए हम सभी को जागरूक होना पड़ेगा। पर्यावरण को साफ रखने के लिए सभी को पेड़ लगाना चाहिए। यदि आप ऐसा करते है तो यह पर्यावरण एवं मानवता की बड़ी सेवा होगी।

श्री हरिचंदन ने कहा कि वे छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे। राजभवन के दरवाजे सदैव सभी के लिए खुले रहे। उन्होंने यह हमेशा प्रयास किया कि राजभवन सरकार और जनता के बीच एक मजबूत पूल बन सकें। सबकी सहभागिता और समर्थन से यह संभव हो पाया।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार ने कहा कि हरिचंदन ने अपने ज्ञान व अनुभव से हमारा सतत् मार्गदर्शन किया। उनकी संवेदनशीलता उनके कार्यो से परिलक्षित होती थी। अपनी समस्या लेकर आने वाले लोगों से आत्मीयता से मिलते और समस्या के त्वरित निराकरण के लिए निर्देश देते थे। समस्या के समाधान में कोई दिक्कत आने पर उसका भी निराकरण करते थे। उनकी सक्रियता से हमे भी प्रेरणा मिलती थी। उनके सुदीर्घ और स्वस्थ जीवन के लिए यशवंत कुमार ने शुभकामनाएं दी।

हार्वर्ड मैनेज मेंटर मॉड्यूल के शीर्ष 15 शिक्षार्थियों को सम्मानित किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (पी एंड ए) सभागार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में हार्वर्ड मैनेज मेंटर मॉड्यूल के शीर्ष 15 शिक्षार्थी अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार एवं विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक निशा सोनी ने शीर्ष शिक्षार्थियों को बधाई दी। इस दौरान पवन कुमार ने शिक्षार्थी अधिकारियों से विशेष बातचीत करते हुए मॉड्यूल और पाठ्यक्रमों के विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं के विषय में उनके अनुभवों का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने निरंतर सीखते रहने के महत्व पर भी विशेष चर्चा की। कार्यक्रम की शुरुआत में महाप्रबंधक संजीव श्रीवास्तव ने मॉड्यूल पर संक्षिप्त जानकारी साझा करते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र में इसके क्रियान्वयन की स्थिति पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (एचआर-एल एंड डी) एस के पालो और प्रबंधक (एचआर-एल एंड डी) अवंती वचुला भी उपस्थित थे। एमटीआई सेल, रांची द्वारा संशोधित पदोन्नति नीति के तहत एडीसी से गुजरने वाले ई6 और ई7 ग्रेड के चयनित अधिकारियों के लिए हार्वर्ड मैनेज मेंटर (एचएमएम) ई-लर्निंग मॉड्यूल लाइसेंस खरीदे गए हैं। कुल 131 अधिकारियों को एचएमएम लाइसेंस प्रदान किए गए एवं उन्हें पोर्टल से न्यूनतम 12 मॉड्यूल पूरा करने का लक्ष्य दिया गया। लक्षित 12 मॉड्यूल को पूरा करने वाले पहले 15 शिक्षार्थी अधिकारियों की पहचान की गई और उन्हें सम्मानित किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने 'इनोवेटिव वेस्ट मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी' के लिए ग्रीनटेक अवार्ड प्राप्त किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र को 'ग्रीनटेक पीसीडब्ल्यूआर अवार्ड्स 2024' की 'इनोवेटिव वेस्ट मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी' श्रेणी में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए विजेता का पुरस्कार दिया गया। 27 जुलाई 2024 को गुवाहाटी, असम में आयोजित एक पुरस्कार समारोह में ग्रीनटेक फाउंडेशन द्वारा प्रदत्त यह पुरस्कार भिलाई इस्पात संयंत्र की ओर से पर्यावरण प्रबंधन विभाग की सहायक महाप्रबंधक अनुराधा बिट्टा और ब्लास्ट फर्नेस की वरिष्ठ प्रबंधक श्रद्धा सिंह ने प्राप्त किया।

आईएएस, एडीशनल चीफ सेक्रेटरी, पर्यावरण एवं वन रविशंकर, चेयरमेन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अरूप कुमार मिश्रा, चेयरमेन, गोवा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड महेश पलटिल, चेयरमेन, पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड डॉ असरश पाल विग और सदस्य सचिव, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (असम) शांतनु कुमार दत्ता ने ग्रीनटेक पीसीडब्ल्यूआर पुरस्कार 2024 प्रदान किया। भिलाई इस्पात संयंत्र को हाल के दिनों में वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में किए गए कई पहलों के लिए इनोवेटिव वेस्ट मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी श्रेणी में विजेता का पुरस्कार दिया गया है। इसके अंतर्गत बीओएफ स्लैग को पेवर ब्लॉक में परिवर्तित करना शामिल है जिसके लिए जून 2023 में संयंत्र के भीतर सेल ग्रीन टाइल्स प्लांट (एसजीटीपी) का उद्घाटन किया गया था। एसजीटीपी में उत्पादित पेवर ब्लॉकों का उपयोग संयंत्र के अंदर और टाउनशिप क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।

संयंत्र द्वारा स्थापित एक अन्य महत्वपूर्ण परियोजना पीसीबी अपशिष्ट निपटान सुविधा है जो अक्टूबर 2023 से प्रारंभ कर दी गई है और इस सुविधा के माध्यम से अब तक पुराने ट्रांसफार्मर से निकले 90 टन से अधिक हानिकारक अपशिष्ट तेल का पर्यावरण-अनुकूल तरीके से निपटान किया जा चुका है। भिलाई इस्पात संयंत्र ने ब्लास्ट फर्नेस रनर्स में रनर सामग्री के रूप में प्रयोग होने वाली नदी की रेत को एलडी-स्लैग से प्रतिस्थापित करने के लिए सफलतापूर्वक परीक्षण भी किया है।

पटरीपार में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर में महापौर ने आयुक्त के साथ सुनी वार्डवासियों की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत सोमवार को शहर के पटरीपार आदित्य नगर, कुशाभाऊ ठाकरे में वार्ड क्रमांक 14 से लेकर वार्ड 60 तक शिविर में सुबह से ही आम नागरिकों के पहुचने का सिलसिला शुरू हुआ और नागरिको ने शिविर के स्टॉल में पहुँच कर अपनी समस्या को दर्ज कराया।

शिविर में महापौर धीरज बाकलीवाल ने उपस्थित होकर आयुक्त लोकेश चन्द्राकर,सभापति राजेश यादव,संजय कोहले,दीपक साहू,पार्षद देवनारायण चन्द्राकर,अरुण सिंह,सुश्री जमुना साहू,काशीराम कोसरे,अमित देवांगन,निर्मला साहू,खिलावन मटियारा,काशीराम रात्रे सहित अधिकारियो की मौजूदगी में लोगों की समस्याएं सुनी और निवारण का आश्वासन दिया।साथ ही मौके पर मौजूद निगम के अधिकारी व कर्मचारियों को समस्याओं के उचित निराकरण के लिए निर्देशित किया।शिविर में महापौर धीरज बाकलीवाल की मौजूदगी में वार्डों से पहुंचे आमजनों ने अलग-अलग समस्याओं से महापौर को अवगत कराया।जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर में पीएम स्वनिधि,नल कनेक्शन,राशन कार्ड,अतिक्रमण,जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र,नाली,सड़क,भवन निर्माण आदि से संबंधित समस्याओं को लेकर आवेदक शिविर स्टाल पहुंचे।साथ ही वार्ड की अन्य समस्याओं से भी महापौर को अवगत कराया। वार्डवासियों के समस्याओं के लिए महापौर धीरज बाकलीवाल ने शिविर में मौजूद अधिकारियों को जल्द निराकरण के लिए निर्देश दिए।बता दे जनसमस्या निवारण शिविर में कुल 338 लोगों ने आवेदन प्रस्तुत किया।जिसमे 136 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया।अन्य 202 आवेदनों पर प्रक्रिया के तहत कार्रवाही शुरू कर दी गई है।शिविर में सबसे ज्यादा आवेदन इसमें 107 अतिक्रमण के ऐसे शिकायत है।वार्ड 14 से वार्ड 22 तक एवं वार्ड 57 से वार्ड 60 तक के जनसमस्या निवारण शिविर में सैकड़ो लोग किसी न किसी समस्या के निराकरण के लिए पहुंचे थे।सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक चले शिविर में 3 हितग्राही खुद के लिए आवास मिलने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये.

शिविर स्थल में सबसे ज्यादा भीड़ आधार अपडेट कराने वालों की थी,29 लोगों ने आधार अपडेट कराये, 13 लोगो ने ईलाज कराने आयुष्मान कार्ड बनवाया। शिविर स्थल पर 46,986 रूपए की राजस्व वसूली भी की गई। इसके अलावा जल विभाग से संबंधित 17 आवेदन, नाली, सड़क संबंधी निर्माण के लिए और 24 लोग राशन कार्ड में नाम संशोधन कराने पहुंचे थे।साफ सफाई से संबंधित पूरा 39 आवेदनों को मौके पर ही निराकरण किया गया।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान से मलेरिया के प्रकरणों में चार वर्षों में आई 38 फीसदी कमी

कोंडागांव। मलेरिया मुक्त छत्तीगढ़ अभियान का जिले में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और मलेरिया प्रकरणों मं चार वर्षों में लगभग 38 फीसदी कमी आई है। इसके साथ ही मलेरिया सकारात्मक दर 2.32 प्रतिशत से घटकर 0.82 प्रतिशत हो गया है। वहीं वर्ष 2020 से वार्षिक परजीवी सूचकांक 4.36 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 2.78 प्रतिशत हो गया है। वर्तमान वर्ष 2024 में जिले का वार्षिक परजीवी सूचकांक 1.07 प्रतिशत है। घने जंगल से आच्छादित इस जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में मलेरिया के प्रकरणों के बढ़ने की संभावना रहती है। लोगों को मलेरिया से बचाने एवं मलेरिया प्रकरण नियंत्रित करने के लिए कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मलेरिया रोकने के लिए सक्रियता से अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के बसाहटों में पहुंच रही है। घने जंगलों एवं नदी-नालों को पारकर स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिन की टीम गांवो में घर-घर पहुंचकर लोगो को मलेरियारोधी दवाइयों के साथ उपचार कर रही है। साथ ही लोगो को मलेरिया से बचाव के लिए किए जाने वाले आवश्यक उपाय के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग पूरी जिम्मेदारी और तत्परता से कार्य करते हुए मलेरिया की रोकथाम के लिए प्रयास कर रही है। मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए जिले के समस्त आवसीय छात्रावास, आश्रम, कीडा परिसर, स्कूल एवं उन ग्रामों पर जहां पर मलेरिया के अधिक प्रकरण मिले थे।

शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव

राजनांदगांव। छुईखदान सावन माह द्वितीय सोमवार 29 जुलाई 2024 को शहर के सभी शिवालयों में बड़ी संख्या में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना विधि-विधान से की गई । भक्तों द्वारा भगवान भोलेशंकर का जलाभिषेक , दुग्धाभिषेक , बेलपत्र , कनेर , फुल्हर धतूरा पुष्प श्रीफल आदि भेंट कर कपूर दीप से आरती किये है । रानी मंदिर समिति छुईखदान के संरक्षक लतारानी लाल जे के वैष्णव ने जानकारी दी कि सावन माह में महिला रामायण मंडली बाईसाहब मंदिर एवं बजरंग रामायण मंडली जस समिति छुईखदान द्वारा सभी मंदिरों में जाकर भजन कीर्तन किया जाता है । शिवालयों सहित शहर में ऊं नमः शिवाय , हर हर महादेव की भक्ति भाव से गूंजित रहा।

खास खबर

खाना नहीं बनाने पर हुआ विवाद, पति ने कर दी पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। भानपुरी थाना में प्रार्थी रामू मौर्य द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया की आरोपी रैयनू मौर्य पिता स्व सुखराम जाति मुरिया उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम कावड़ गांव थाना भानपुरी के द्वार अपनी पत्नी श्रीमती रिगो बाई खाना नहीं बनाई थी जिस बात को लेकर आरोपी एवं मृत्तिका में विवाद हुआ जिस कारण आरोपी अपनी पत्नि रीगो बाई की हत्या चाकू मारकर कर दिया है । रिर्पोट पर आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी का मेमोरेंडम कथन गवाहों के समक्ष लेने पर पत्नी रिगो बाई द्वारा खाना नहीं बनाने की बात को लेकर विवाद होने से आरोपी चाकू से अपनी पत्नी की हत्या करना स्वीकार किया है। आरोपी द्वारा अपना अपराध स्वीकार करने पर आरोपी को गिरफ्तार कर भानपुरी थाना में आज सोमवार को कायर्वाही उपरांत न्यायालय जगदलपुर के समक्ष पेश किया गया।

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत, एक घायल

जगदलपुर। बस्तर जिले के दो अलग-अलग जगहों ग्राम छोटे देवड़ा एवं कोडेनार में हुए सड़क दुर्घटना में दो युवकों ऋषभ शर्मा निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी एवं मासों मुचाकी निवासी ग्राम बुरगुम की मौत हो गई वहीं एक युवक धनराज घायल है, जिसे 108 की मदद से मेकॉज में उपचार के लिए भर्ती किया गया है। दुर्घटना में मृतक दोनों युवकों के शव का सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शाव परिजनों को सौंप दिया गया है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड कालोनी निवासी ऋषभ शर्मा अपने साथी धनराज के साथ बुलेट वाहन में जैबैल गए हुए थे। जहां से काम खत्म कर वापस जगदलपुर आ रहे थे, इसी दौरान सोमवार को ग्राम छोटे देवड़ा के पास मवेशियों का झुंड आने से बाईक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दोनों घायलों को 108 की मदद से मेकॉज लाया गया जहां उपचार के दौरान ऋषभ की मौत हो गई, जबकि उसका घायल साथी धानराज का उपचार चला रहा है।

वहीं ग्राम बुरगुम निवासी मासों मुचाकी पिता हिड़मे उम्र 35 वर्ष अपने मामा मनकू पोयाम के घर कोडेनार गया हुआ था, वहां से वापस लौटने के दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए 108 की मदद से किलेपाल के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे मेकॉज रेफर किया गया, मेकॉज में उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई।

सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहनों पर की गई कार्रवाई

कोरबा। बढ़ते सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और सड़क सुरक्षा के लिए जिले में परिवहन विभाग की उड़नदस्ता टीम हाइवे बेतरतीब खड़े मालवाहकों पर कार्रवाई कर रही है। इंस्पेक्टर सीके साहू के नेतृत्व में टीम नेशनल व स्टेट हाइवे समेत अन्य मुख्य मार्गों पर पेट्रोलिंग करते हुए सड़कों पर नियम विरुद्ध बेतरतीब ढंग से खड़े हुए वाहनों, ब्लैक स्पॉट, अंधे मोड़, संकीर्ण सड़क, व्यस्तम मार्ग पर वाहन खड़ी कर आराम फरमा रहे वाहन चालकों, ढाबों के किनारे नियम विरुद्ध खड़े वाहनों पर चलानी कार्रवाई की जा रही है।

भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर नवतनवा एक्सप्रेस की चेन पुलिंग

24 यात्रियों पर रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

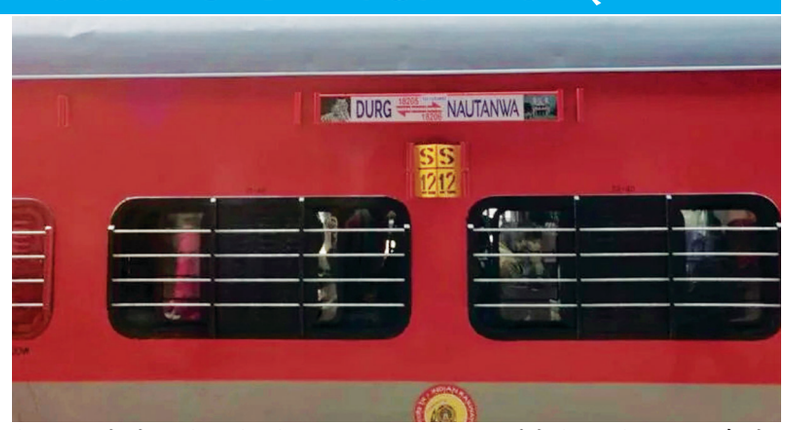

भिलाई। पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर सोमवार को चेन पुलिंग कर उतरने वालों में रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। नवतनवा ङ्कदुर्ग एक्सप्रेस के पावर हाउस रेलवे स्टेशन पहुंचने पर चेन पुलिंग की गई और ट्रेन से यात्री उतरने लगे। इस दौरान आरपीएफ की टीम एक्टिव हो गई। इस दौरान उतरने वालों पर कार्रवाई की गई। आरपीएफ ने 24 यात्रियों पर कार्रवाई कर जुर्माना वसूला।

बता दें पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर कई एक्सप्रेस व सुपर फास्ट ट्रेनों की स्टॉपेज नहीं है। अक्सर देखा गया है कि भिलाई पावर हाउस में उतरने के लिए स्टॉपेज नहीं होने के बाद भी बिना किसी ठोस कारण के ट्रेनों की चेन पुलिंग की जाती है। इसी कड़ी में रायपुर डिवीज़न में रेल यात्रियों द्वारा ट्रेन में लगातार किए जा रहे चेन पुलिंग कि शिकायत पर वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, रायपुर रमन कुमार द्वारा आरपीएफकि टीम बनाकर रेलवे स्टेशन भिलाई पावर हाउस में कार्रवाई के लिए आदेशित किया गया। रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा ट्रेन नंबर 18202 नवतनवा-दुर्ग में बिना उचित कारण के चेन खिंचने वाले लोगों पर कार्रवाई की गई।

चेन पुलिंग होते ही हरकत में आई टीम

ट्रेन थ्रू पास होते ही चेन पुलिंग हॉर्न के कारण जैसे ही ट्रेन रुकी वहां मौजूद आरपीएफ के अधिकारी व बल सदस्य हरकत में आ गए। उक्त ट्रेन से उतरे हुए यात्रियों को रोक कर उनसे बिना स्टॉपेज के भिलाई पावरहाउस में उतरने का कारण पूछा। टीटीई द्वारा यात्रियों का टिकट चेक करने पर पाया गया कि अधिकांश यात्री दुर्ग तक यात्रा करने का टिकट रखे हैं परन्तु चेन खींच कर भिलाई पावर हाउस में उतर गए। उचित कारण नहीं होने के कारण चेन खिंचने वाले व्यक्ति को रेलवे एक्ट कि धारा 141 के तहत गिरफ्तार किया गया। उनमे से 6 यात्रियों को रेलवे एक्ट की धारा 147 के तहत गिरफ्तार किया गया। 10 व्यक्तियों को रेलवे एक्ट की धारा 145 बी के तहत गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा सात व्यक्तियों से 1640 रुपए जुर्माना वसूला गया। इस तरत कुल 24 यात्रियों पर समस्त क़ानूनी कार्रवाई कर चेतावनी देकर मुचलका पर छोड़ा गया।

रेलवे ने की चेन पुलिंग न करने की अपील

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल द्वारा यात्रियों से अपील करते हुए कहा गया है कि वे बिना किसी उचित कारण के छोटी-मोटी वजहों से ट्रेनों में अलार्म चेन खींचने से बचें और इसका सहारा केवल आपातकालीन स्थितियों के दौरान ही लिया जाना चाहिए। सुरक्षा संबंधी मुद्दों का सामना करने के लिए यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों में अलार्म चेन प्रदान की जाती हैं ताकि किसी भी अप्रिय घटना घटित होने से रोका जा सके। अलार्म चेन खींचने (एसीपी) पूरे भारत में रेल सेवाओं के देरी से चलने के लिए एक प्रमुख कारण है। किसी भी रेलगाड़ी के असामान्य रूप से रुकने से न केवल उस विशेष रेलगाड़ी की समयबद्धता प्रभावित होती है, बल्कि उसके पीछे चलने वाली सभी रेलगाड़ियों की समयबद्धता भी प्रभावित होती है, साथ ही रेल यात्रियों का बहुमूल्य समय भी बर्बाद होता है।

महादेव ऐप के संचालकों को भारत लाने रायपुर पुलिस ने MHA को लिखा पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा महादेव बुक समेत कई अन्य ऐप के खिलाफताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सोमवार को रायपुर पुलिस ने महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप के संचालकों को भारत लाने के लिए मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स (MHA) को पत्र लिखा है। यह पत्र पुलिस मुख्यालय (PHQ) के माध्यम से भेजा गया है।

संचालकों के खिलाफ कदम

रायपुर पुलिस ने अपने पत्र में महादेव बेटिंग ऐप के संचालक सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल को दुबई से भारत लाने (प्रत्यर्पण) की मांग की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ रायपुर के खमतराई थाना में केस दर्ज है और उनकी तलाश जारी है। इस पत्र के आधार पर रू॥ ने दोनों के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है।

आईडी के नाम से विज्ञापन

दो साल पहले महादेव आईडी के नाम से

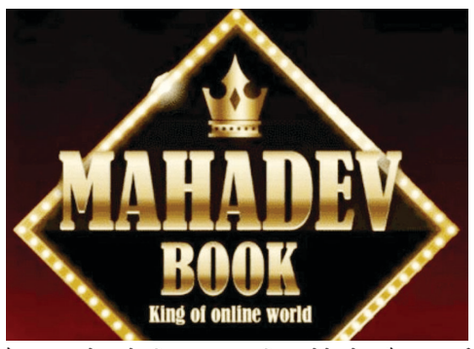

बड़े-बड़े विज्ञापन प्रकाशित होते थे और लाखों रुपए लेकर आईडी बेची जाती थीं। छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश में सट्टा खिलाया जाता था। महादेव आईडी के कर्ताधर्ता छत्तीसगढ़ से जुड़े थे, इसलिए सबसे ज्यादा जाल इसी प्रदेश में फैलाया गया। इस धंधे में राजनीतिक प्रशासनिक, पुलिस से लेकर गुंडे मवालियों ने खूब पैसा कमाया। ईडी, ईओडब्ल्यू, और एसीबी सहित कई एजेंसियां इनकी तलाश में हैं। पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई तेज होने के बाद महादेव सट्टा ऐप के ऑपरेटरों ने ऑनलाइन सट्टा चलाने का पैटर्न बदल लिया है। अब सोशल मीडिया पर विज्ञापन जारी कर आम लोगों को ऑनलाइन सट्टेबाजी से जोड़ा जा रहा है।

ऑनलाइन वेबसाइट पर क्लिक करते ही यूजर को व्हाट्सएप चैट पर ले जाया जाता है, जहां कॉल सेंटर से बैठा व्यक्ति संपर्क करता है। पैसा डिपॉजिट करने के बाद यूजर को व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा जाता है और आईडी और पासवर्ड दिया जाता है, जिसके बाद ऑनलाइन सट्टेबाजी शुरू होती है। रायपुर पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से ऑनलाइन सट्टेबाजी पर नकेल कसने की कोशिश की जा रही है। अब देखना होगा कि आगे इस मामले में और क्या-क्या कदम उठाए जाते हैं।

पुलिस की बड़ी कामयाबी: 14 नक्सलियों ने किया सरेंडर, अब तक 306 माओवादी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर में सोमवार को पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। विभिन्न घटनाओं में शामिल एक लाख की इनामी महिला नक्सली समेत 14 नक्सलियों ने नक्सल पंथ से तौबा करते हुए पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इसी के साथ इस वर्ष अब तक में 137 नक्सलियों ने नक्सल पंथ से तौबा कर ली है। वहीं विभिन्न घटनाओं में शामिल रहे 306 नक्सलियों को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है। आत्मसमर्पित नक्सलियों को आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के तहत 25-25 हजार रुपये नगद प्रोत्साहन राशि दी गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नक्सलियों की खोखली विचारधारा, भेदभाव पूर्ण व्यवहार, उपेक्षा व प्रताडऩा से तंग आकर व शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर समर्पण किया है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में उसूर एसओएस अंतर्गत मारुड़बाका आरपीसी केएएमएस अध्यक्ष 1 लाख की ईनामी महिला नक्सली नागी पोडियामी, गंगालुर एरिया कमेटी अंतर्गत पुसनार भूमकाल मिलिशिया प्लाटून सेक्शन कमाण्डर अर्जुन पुनेम,भूमकाल मिलिशिया प्लाटून ए सेक्शन कमाण्डर बघेल पुनेम उर्फ बुधरु, आरपीसी मिलिशिया सदस्य बी सेक्शन रंगा पोटाम पिता लखमा पोटाम, पुसनार आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य सुदरु पुनेम उर्फ मोरका सुदरू, पुसनार आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य अर्जुन पोटाम उर्फ आयत, पुसनार भूमकाल मिलिशिया सदस्य बुधराम पोटाम उर्फ नेती बुधराम, गंगालूर एरिया कमेटी के अंतर्गत पुसनार डीएकेएमएस सदस्य राजू पोटाम, पुसनार भूमकाल मिलिशिया सदस्य सतरु पुनेम, पुसनार भूमकाल मिलिशिया सदस्य सोमलू कुंजाम, पुसनार भूमकाल मिलिशिया सदस्य मंगलू हेमला उर्फ मुंडी आदि शामिल हैं।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने किया फर्मों का निरीक्षण, 51 नमूने मानक व 3 नमूने मिले अमानक

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (रा.) के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा बरसात के सीजन को ध्यान में रखते हुए जिला अंतर्गत होटल, गुपचुप कार्नर, मिष्ठान भण्डार, होटल, ढाबा, डेयरी व बेकरी फर्म इत्यादि का निरीक्षण किया जा रहा है। ऐसे प्रतिष्ठानों की कीचन, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, परिसर की स्वच्छता का निरीक्षण किया जा रहा है। इस माह जनजागरूकता अभियान के तहत

चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा नवागढ़ स्थित विभिन्न फर्मों का निरीक्षण कर 54 नमूना जांच हेतु लिए गए तथा मौके पर प्राथमिक जांच कर 51 नमूने मानक एवं 03 नमूने अमानक पाए गए। दिलीप मिष्ठान भण्डार नवागढ़ से अमानक पाए गए 06 किग्रा मिल्क केक को तथा अखाद्य रंग से बने चाट मसाला 02 किग्रा को गुपचुप सेंटर से मौके पर नष्ट किया गया। तथा गुणवत्ता में शंका के आधार पर पनीर लूज एवं पेंड़ा लूज का नमूना लिया गया है।

इसी क्रम में बेमेतरा में नया बस स्टैण्ड स्थित फ्रुट मार्केट में संचालित फर्म सरजू फुट भण्डार, राजपाल फल भण्डार, जीकेएस फुट मर्चेंट, चन्द्रशेखर फुट मर्चेंट, संजय सब्जी मार्केट का जांच कर विभिन्न फल जैसे अनासपत्ती, अनार, आलू बुखारा, जाम, शीमला सेव के पांच नमूनों तथा सब्जियों में कुंदरू, आलू, हरी मिर्च, प्याज के चार नमूनों में पेस्टीसाइड की मात्रा की जांच हेतु नमूना लेकर लैब भेजा गया है। अमानक स्तर के पाए गए खाद्य पदार्थों पान मसाला, चना बेसन, मिथ्याछाप बेकरी प्रोडक्ट, अवमानक चिली पाउडर, चायपत्ती एवं मिथ्याछाप पोहा इत्यादि के विक्रेता तथा निर्माता फर्म को खाद्य सुरक्षा अधिकारी के द्वारा प्रस्तुत प्रकरण में न्यायालय द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के उल्लंघन पाए जाने पर कुल 125000 (एक लाख पच्चीस हजार) रुपए, अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

भिलाई के दो शातिरों ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर की करोड़ों की ठगी

80 थानों में दर्ज हैं मामले, रायपुर पुलिस ने पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भिलाई शहर के दो शातिर ठगों ने मिलकर देश के अलग अलग राज्यों में शेयर ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी की है। अलग अलग राज्यों में इनके खिलाफ 80 थानों में ठगी के मामले दर्ज हैं। दोनों में से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और दूसरा बैंक खाते सप्लाई करता है। ऐसे ही एक ठगी के मामले में रायपुर रेंज साइबर पुलिस ने दोनों शातिरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 4 मोबाइल, एक लैपटॉप, 9 डेबिट कार्ड, एक आई 10 कार व खाते में 8 लाख रुपए होल्ड कराए।

दरअसल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी टाटीबंध आमानाका रायपुर, रिटायर्ड सिविल सर्जन डॉक्टर प्रकाश गुप्ता (66) ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। रेंज साइबर थाना रायपुर पहुंचकर उसने बताया कि शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा देने का झांसा देकर उससे 74.49 लाख रुपए की ठगी की गई है। इस मामले में शिकायत पर रेंज साइबर थाना रायपुर में धारा 420, 34 IPC पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी अमरेश मिश्रा ने रेंज साइबर थाना की टीम को तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर आरोपियों को गिरफ्तार करने निर्देश दिया गया।

जांच के दौरान आरोपियों द्वारा उपयोग किए जा रहे बैंक खातों एवं मोबाइल नंबरों की जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान इस्पात नगर निवासी आशीष साहू द्वारा विभिन्न बैंकों में खाता खुलवाकर अपने साथी मैत्री नगर रिसाली आरोपी विकास चंद्राकर को दिया गया। उक्त बैंक खातों में प्रार्थी से 25 लाख रुपए जमा करवाए गए थे। बैंक खातों के एवज में विकास चंद्राकर ने कमीशन के रूप में 3.70 लाख रुपए आशीष को दिया था। विकास चंद्राकर पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। यह वर्चुअल नंबर का प्रयोग करता है और अन्य लोगों से बैंक खाते किराया में लेकर ठगी की रकम जमा करवाता है। इन बैंक खातों में अलग अलग राज्यों के कुल 80 पुलिस थाना एवं साइबर सेल मे रिपोर्ट दर्ज है। विकास चंद्राकर के स्वयं की 10 से अधिक बैंक खातों, XUV 700 गाड़ी की जानकारी प्राप्त हुई है। रेंज साइबर थाना रायपुर की पुलिस ने आशीष साहू और विकास चंद्राकार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बच्चों से भरा ऑटो अनियंत्रित होकर पलटा, दो गंभीर रूप से घायल

कोरबा (ए.)। के दर्री थाना अन्तर्गत गोपालपुर के पास स्कूली बच्चों से भारा ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, जहां इस हादसे के बाद हड़कंप मच गया। बच्चे चीख-पुकार मचाने लगे। देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई और किसी तरह घायल बच्चों को अस्पताल के लिए रवाना किया गया।

बताया जा रहा है कि केंद्रीय विद्यालय गोपालपुर के बच्चे स्कूल से छुट्टी होने के बाद ऑटो में सवार होकर जा रहे थे, इस दौरान तेज रफ्तार होने के कारण ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। जहां ऑटो में 12 बच्चे सवार थे, इनमें से 10 बच्चों को मामूली चोटें आई हैं, वहीं दो बच्चे गंभीर घायल हो गए। जहां पहले उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर चोट होने की वजह से परिजन एनटीपीसी के विभागीय अस्पताल लेकर पहुंचे।

पूर्व सैनिक उत्तम कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वह स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बच्चों को एनटीपीसी के विभागीय अस्पताल लेकर आए, जहां लाने के बाद उसके बच्चे का इलाज नहीं किया गया। उन्हें सर्जन नहीं होने का हवाला देते हुए, जिला मेडिकल अस्पताल जाने को कहा गया, जबकि प्राथमिक उपचार वहां भी किया जाना चाहिए था, लेकिन जिस तरह से उनके साथ व्यवहार हुआ वह उससे दुखी हैं।

बताया जा रहा है कि दो बच्चे जो घायल हुए हैं, उनमें से उत्तम कुमार के बेटे को जिला मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहीं दूसरे बच्चे को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित 15.18 लाख पात्र परिवारों को जल्द मिलेगा आवास

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से की मुलाकात, आवास व सड़कों के लंबित कार्य जल्द होंगे पूरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को नई दिल्ली के कृषि भवन में कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान छत्तीसगढ़ के कृषि और ग्रामीण विकास के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं के कार्यान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित 15.18 लाख पात्र परिवारों के आवास का मुद्दा भी रखा, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने जल्द स्वीकृति देने का आश्वासन दिया है। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी साथ थे।

बैठक में मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय मंत्री को सूचित किया कि छत्तीसगढ़ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित 15.18 लाख परिवारों को अभी तक आवास की स्वीकृति नहीं मिली है। इसमें 6.99 लाख परिवार योजना के स्थायी प्रतीक्षा सूची में हैं और 8.19 लाख परिवार आवास प्लस में शामिल हैं। पूर्व में योजना के लिए राज्य का हिस्सा नहीं मिलने के कारण यह समस्या बनी रही। मुख्यमंत्री ने जल्द आवास स्वीकृत करने का अनुरोध किया, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने इस पर तत्काल कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

मुख्यमंत्री साय ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण सामाजिक आर्थिक जातिगत जनगणना-2011 एवं आवास प्लस 2018 की सूची में अनेक पात्र परिवारों का नाम शामिल नहीं हो सका है। उन्होंने 10,500 नए पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल करने का अनुरोध किया और साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पंचायतों को आवास निर्माण की स्वीकृति देने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने मनरेगा योजना के तहत आधार आधारित भुगतान प्रणाली (ABPS) में 31 मार्च, 2025 तक छूट देने का आग्रह किया, ताकि दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के श्रमिकों को योजना का लाभ मिल सके। उन्होने कहा दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में इंटरनेट की कमी और अन्य समस्याएं हैं, जिससे आधार आधारित भुगतान में कठिनाई आ रही है। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में जब तक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध ना हो तब तक नगद भुगतान की अनुमति देने की मांग की। साथ ही, मुख्यमंत्री श्री साय ने आदिवासी क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी सुधार की आवश्यकता जताई, जहां कई बसाहटें बारहमासी सड़कों से जुड़ी नहीं हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में छूटे हुए आदिवासी क्षेत्रों को शामिल करने और पुरानी सड़कों के उन्नयन की मांग की। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान के तहत 106 वृहद पुलों की स्वीकृति की प्रक्रिया की जानकारी दी और साथ ही छत्तीसगढ़ के लिए 426 छूटे हुए पुलों के निर्माण की मांग की। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत इन पुलों का निर्माण महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे आदिवासी क्षेत्रों की सड़क कनेक्टिविटी सुधरेगी और नक्सल उन्मूलन अभियान को भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में कोदो, कुटकी, और रागी जैसी मिलेट फसलों के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन फसलों की उत्पादन क्षमता बढ़ाना राज्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ये पौष्टिक होती हैं और आदिवासी क्षेत्रों में प्रमुख खाद्य पदार्थ हैं। साथ ही, उन्नत तकनीक और बीजों की उपलब्धता से किसानों की आय बढ़ेगी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ में कृषि व ग्रामीण विकास के विभिन्न प्रस्तावों पर जल्द से जल्द सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया है। बैठक में छत्तीसगढ़ से मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी दयानंद, पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक, प्रधानमंत्री आवास योजना के संचालक श्री रजत बंसल एवं केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल हरिचंदन को मुख्यमंत्री साय ने सुदीर्घ और स्वस्थ जीवन की दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सौजन्य मुलाकात कर उनके सुदीर्घ और स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री साय ने कहा कि राज्यपाल हरिचंदन के मार्गदर्शन में प्रदेश ने प्रगति के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि राज्यपाल का स्नेह इसी प्रकार उन्हें और छत्तीसगढ़वासियों को मिलता रहेगा। इस अवसर पर राज्यपाल हरिचंदन को मुख्यमंत्री साय ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। राज्यपाल हरिचंदन ने महाप्रभु श्री जगन्नाथ से मुख्यमंत्री सहित प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की।

एक पेड़ मां के नामः अरुण साव ने अपनी मां के सम्मान में लगाया पौधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज मुंगेली जिले के लोरमी विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला डोंगरिया में वृक्षारोपण किया। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपनी मां श्रीमती प्रमिला देवी के सम्मान में पीपल का पौधा लगाया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाया गया अभियान है। सबसे पवित्र रिश्ता मां का होता है। मां कष्ट सहकर बच्चों का पालन-पोषण करती है। इसलिए मां की सेवा और समर्पण पर श्रद्धा भाव अर्पित करते हुए हम सभी को उनके नाम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। मां-बाप की तरह ही उसकी सेवा-जतन करना चाहिए।

श्री साव ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान की दिशा में कदम बढ़ाते हुए आज डोंगरिया के 10 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों के फ्लदार पौधे लगाए जा रहे हैं। आज हमारी सरकार मोदी की गारंटी के अनुरूप आमजनों, किसानों तथा अन्य हितग्राहियों से किए वादे पूरे करने के लिए पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री साव ने अपने संबोधन के दौरान डोंगरिया के कृषि संग्रहण केंद्र में किसानों के बैठने के लिए 14 लाख रुपए की लागत से किसान कुटीर और आश्रित गांव कोदवामहंत में साढ़े 12 लाख रुपए की लागत से गोदाम बनाने की घोषणा की। उन्होंने डोंगरिया स्कूल प्रांगण में मंच निर्माण के लिए पांच लाख रुपए देने और गांव में जल्द ही एनीकट बनाने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में आई.डी.बी.आई. बैंक ने सी.एस.आर. के तहत पौधों की सुरक्षा के लिए 560 ट्री गॉर्ड भेंट किया। कार्यक्रम में डोंगरिया स्कूल में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। कलेक्टर राहुल देव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पांडेय और डोंगरिया के सरपंच महंत हरिशंकर दास सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा स्कूली छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

विष्णु के सुशासन से कोरबा ने पकड़ी विकास की रफ्तार

वॉर्ड क्रमांक 31 में विभिन्न विकास कार्यों का वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विष्णु देव सरकार में विकास कार्यों की रफ्तार अब गति पकड़ चुकी है। चुनाव में जिन वार्डों में लोगों ने वॉर्ड की समस्या से अवगत कराया था, अब उन कार्यों को स्वीकृति प्रदान कर जल्द प्रारंभ किया जा रहा है। लोगों को अब किसी भी विकास कार्यों के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उक्त बातें वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा नगर निगम के वॉर्ड क्रमांक 31 में विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन के दौरान कही।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि दादरखुर्द वार्ड के कई ऐसे मोहल्ले हैं जहां विकास कार्य आज तक नहीं हुए। 10 साल से वॉर्ड की सड़क, नाली और स्ट्रीट लाइट नहीं लग सकी थी।विधानसभा चुनाव के दौरान वॉर्ड वासियों ने इन कार्यों की मांग की थी। चुनाव के बाद कोरबा निगम क्षेत्र के सभी वार्डो के ऐसे कार्यों के लिए विष्णुदेव सरकार ने तत्काल राशि मंजूर की। जिला खनिज मद 2024-25 से कुल 146.69 लाख की लागत से दादर मेन रोड से प्रधानमंत्री आवास परिसर तक सीसी रोड, नाली, और स्ट्रीट लाइट के कार्य कराए जाएंगे।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने जिला खनिज मद की राशि का अधिकार हमें दिया है। अब विष्णु देव साय की सरकार में जनता के विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत की जा रही है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, वॉर्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन, वॉर्ड क्रमांक 31 के पार्षद सुकुंदी यादव, पार्षद धनश्री साहू, पार्षद रितु चौरसिया, ईश्वर साहू, चन्दन साहू जी समेत अन्य उपस्थित रहे। दादरखुर्द के प्रवास के दौरान मंत्री लखन लाल देवांगन ने निर्माणधीन पीएम आवास कॉलोनी का जायजा लिया।

इस अवसर पर निगम के अधिकारियों ने बताया कि कुल 2784 मकान बनाए जा रहे हैं, पहले चरण में हितग्रहियों को आवंटित किए जा चुके हैं। अगले महीने एक हजार मकानों के लिए लॉटरी निकाली जाएगी। मंत्री श्री देवांगन ने निगम के अधिकारियों को कॉलोनी के शेष सुविधाओं और मकानों को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

राज्यपाल हरिचंदन ने किया छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस इकाई की स्मारिका का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने आज राजभवन में रेडक्रॉस समिति छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा प्रकाशित वर्ष 2023-24 की स्मारिका का विमोचन किया।

इस अवसर पर रेडक्रॉस समिति छत्तीसगढ़ के मुख्यकार्यपालन अधिकारी एम.के.राउत ने संस्था के राज्य संरक्षक राज्यपाल हरिचंदन के कार्यकाल के दौरान रेडक्रॉस की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस द्वारा संचालित ब्लड बैंक को अत्याधुनिक बनाने के लिए सर्वसुविधायुक्त भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस निर्माण के लिए राज्यपाल ने स्वेच्छानुदान मद से 72 लाख रूपए प्रदान किए।

राज्यपाल के निर्देश पर आकस्मिक स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए शासकीय चिकित्सकों को प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। उनके द्वारा राज्य के सभी जिलों में गांव-गांव में प्राथमिक चिकित्सा सहायता का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

श्री हरिचंदन की पहल पर विभिन्न औद्योगिक संस्थानों द्वारा अपने कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सी.एस.आर.) मद से 50 लाख की राशि रेडक्रॉस को प्रदान की गई है। साथ ही केन्द्र सरकार की संस्था ग्रामीण विद्युत कॉर्पोरेशन द्वारा 4 करोड़ 83 लाख की लागत के चार मेडिकल मोबाईल यूनिट (एम्बुलेंस) आदिवासी क्षेत्रों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। रेडक्रॉस समिति के पदाधिकारियों ने इसके लिए श्री हरिचंदन का आभार माना।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने चार नवगठित नगर पालिकाओं में मोर संगवारी योजना का किया विस्तार, नागरिक घर बैठे ले सकेंगे 27 सेवाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी में प्रदेश की चार नवगठित नगर पालिकाओं मंदिर हसौद, बांकी मोंगरा, लोरमी और पंडरिया में ''मोर संगवारी'' योजना का विस्तार किया। उन्होंने लोरमी के मानस मंच में आयोजित कार्यक्रम में 'मोर संगवारी' एप भी लांच किया। इस योजना के माध्यम से नागरिकों को जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, दुकान एवं स्थापना पंजीयन, राशन कार्ड, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र सहित 27 प्रकार की सुविधाएं घर पहुंचकर प्रदान की जाएंगी।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने लॉन्चिंग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शासकीय कार्यालयों से नागरिक सेवाएं घरों तक पहुंचाने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप चरणबद्ध रूप से मोर संगवारी योजना का विस्तार किया जा रहा है।

इसमें 27 तरह की सेवाएं नागरिकों को बिना किसी व्यवधान और कार्यालय जाए बिना उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जब से प्रदेश में विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार बनी है, तब से कामकाज में तेजी आई है। सभी वर्गों के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। हमारा संकल्प है, जिस छत्तीसगढ़ को हमने बनाया है, उसे संवारने का काम भी हम करेंगे।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्रदेश के नगरीय निकायों में झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगो को नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए 150 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत आवासहीन परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी निपटान के लिए निकायों द्वारा समग्र प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्री, चेक और प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

सुडा (राज्य शहरी विकास अभिकरण) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय ने कार्यक्रम में बताया कि सरकारी दस्तावेज बनवाने की यह घर पहुंच सेवा वर्तमान में प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों, 44 नगर पालिकाओं तथा दो नगर पंचायतों अंबागढ़ चौकी और गौरेला में संचालित की जा रही है। ये सेवाएं सभी कार्य दिवसों में प्रात: आठ बजे से रात्रि आठ बजे तक संचालित की जा रही हैं। मुंगेली के कलेक्टर राहुल देव ने कहा कि मोर संगवारी योजना आम जनता के लिए बहुत खास है। इससे नगर के लोगों को काफी सहुलियत होगी। विभिन्न सेवाओं के लिए नागरिकों को घर पहुंच सेवा का लाभ मिलेगा। लोरमी नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती अंकिता रवि शुक्ला ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

'मोर संगवारी' एप के जरिए घर बैठे बनेंगे प्रमाण पत्र

'मोर संगवारी' एप के जरिए नगरीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों को घर बैठे आय, मूल निवासी, विवाह, जन्म, जाति, राशन कार्ड, गुमास्ता, मृत्यु, आधार कार्ड, असंगठित कर्मकार पंजीकरण एवं सुधार, पैन कार्ड पंजीकरण एवं सुधार आदि सेवाओं का लाभ मिलेगा। योजना के अंतर्गत टोल-फ्री नंबर पर कॉल करने पर संगवारी घर पहुंच कर योजना से जुड़ी सेवाओं एवं सुविधाओं का लाभ देना सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए कोई भी नागरिक घर बैठे टोल-फ्री नंबर 14545 में कॉल कर संपर्क कर सकता है। संगवारी नागरिकों के निवास स्थान पर पहुंचकर सेवा का ऑनलाइन पंजीयन कर सेवा से संबंधित दस्तावेज संकलित करेंगे। इस योजना के अंतर्गत अब नागरिकों को दस्तावेजों के लिए शासकीय कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। दस्तावेज, प्रमाण पत्र या लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया आसान होगी। इससे लोगों का समय भी बचेगा। अब पोर्टल के माध्यम से योजना में शामिल सभी सेवाओं से संबंधित जरूरी दस्तावेजों की पूरी जानकारी केवल एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। इससे न केवल दस्तावेज, प्रमाण पत्र या लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया आसान होगी, बल्कि इसे बनाने में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। इस एप के जरिए किसी भी तरह की समस्या होने पर शिकायत भी दर्ज करा सकेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने लोरमी में 8.26 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मोर संगवारी योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में लोरमी के लिए आठ करोड़ 25 लाख 79 हजार रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की। इनमें वार्ड क्रमांक-7 में मानस मंच सौंदर्यीकरण के लिए एक करोड़ 85 लाख 96 हजार रुपए, वार्ड क्रमांक-8 में रानी तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए एक करोड़ 88 लाख 57 हजार रुपए, रानी गांव मुक्तिधाम सौंदर्यीकरण के लिए एक करोड़ 38 लाख 31 हजार रुपए, मुंगेली रोड में प्रवेश द्वार निर्माण के लिए 37 लाख 68 हजार रुपए, बिलासपुर रोड में प्रवेश द्वार के लिए 54 लाख 85 हजार रुपए, पण्डरिया रोड में प्रवेश द्वार के लिए 54 लाख 92 हजार रुपए, कर्मा माता तहसील चौक लोरमी के लिए 19 लाख 42 हजार रुपए, वार्ड क्रमांक-15 में अम्बेडकर चौक के लिए 28 लाख 82 हजार रुपए तथा नगर पालिका कार्यालय में प्रथम तल निर्माण एवं पार्किंग के लिए एक करोड़ 17 लाख 26 हजार रुपए की राशि शामिल हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950